शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 171 | गुवाहाटी | मंगलवार, 21 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एनसीसी कैडेट विकसित भारत के सपने को साकार करें : रक्षा मंत्री पेज 2
लोक निर्माण विभाग में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह पेज 3
लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण नहीं करने पर होगी कार्रवाई पेज 5
विक्टर एक्सेलसन, एन से-यंग ने पुरुष और महिला वर्ग का जीता खिताब पेज 7

असम में ऑटोमोबाइल मैन्यूफेक्चरिंग इको सिस्टम स्थापित होने से बदलेगा पूर्वोत्तर का परिदृश्य : सीएम

सियोल / गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को दक्षिण कोरिया में कहा कि यदि असम में ऑटोमोबाइल विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित हो जाए तो इससे पूर्वोत्तर के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में बदलाव आ सकता है। दक्षिण कोरिया की यात्रा पर गए शर्मा ने एक्स में कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि अगर असम में ऑटोमोबाइल विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित हो सकता है, तो हम पूर्वोत्तर के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदल सकते हैं। आज दक्षिण कोरिया की ऑटोमोबाइल सहायक कंपनियों के सीईओ और नेताओं के साथ मेरी बैठक के दौरान, मैंने उन्हें असम में अपना आधार बनाने के लिए हमारे राज्य के भरपूर समर्थन की पेशकश की है। भारत के 100 बिलियन डॉलर के ऑटो उद्योग और दक्षिण पूर्व एशिया के ऑटो उद्योग तक आसान पहुंच के साथ, असम उन्हें अद्वितीय लाभ प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि केओटीआरए के प्रतिनिधिमंडल के साथ मेरी बातचीत में, मैंने असम की समृद्ध पर्यटन क्षमता और जगीरोड में आने वाली दुनिया की सबसे बड़ी ओएसएटी इकाई के पूरक के रूप में असम में एक पूर्ण विकसित सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की हमारी योजना पर जोर दिया। शर्मा ने बताया कि आज सियोल में कोरिया व्यापार-निवेश संवर्धन एजेंसी (केओटीआरए) के अध्यक्ष क्यूंगसुंग कांग और उनकी टीम के साथ मेरी बहुत अच्छी चर्चा हुई। हमने असम और कोरियाई व्यवसायों के आपसी लाभ के लिए व्यापार, वाणिज्य, उद्योग और कौशल के क्षेत्र में वृद्धि और विकास के लिए साझेदारी के अवसरों का पता लगाने के लिए एक साझा रणनीति पर चर्चा की। अगले महीने होने वाले एडवांटेज असम कार्यक्रम के लिए रोड शो आयोजित करने के लिए दो देशों के दौरे पर गए शर्मा ने कहा कि असम के पास तीन प्रमुख लाभ हैं- स्थानिक, रणनीतिक और नीतिगत। इन सबसे ऊपर, असम और पूर्वोत्तर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से हैं। असम को अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के सामने पेश करते हुए उन्होंने कहा कि तीन यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के साथ, असम वह स्थान है जहां व्यापार और आनंद का संगम होता है। हम असम में निवेश करने के लिए कोरियाई कंपनियों का गर्मजोशी से स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने सियोल में दिन की शुरुआत दक्षिण कोरिया में भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित एडवांटेज असम रोड शो में 140 से अधिक व्यापारिक नेताओं से बात करके की। #एडवांटेजअसम2 का हिस्सा बनने के प्रति उनका उत्साह अभूतपूर्व था। कोरियाई व्यापार समुदाय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति और इस बाजार तक -शेष पृष्ठ दो पर

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में ली शपथ

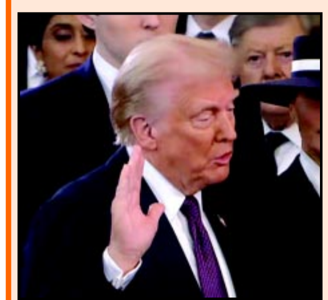

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार 20 जनवरी को यूएस कैपिटल के रोटुंडा में 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में दुनियाभर से कई खास मेहमान शामिल हुए, जिनमें भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत भी पहुंचे। अन्य वैश्विक मेहमानों में चीन के उपराष्ट्रपति, जापान और ऑस्ट्रेलिया के विदेश मंत्री भी समारोह का हिस्सा बने। समारोह में पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, जॉर्ज डब्ल्यू बुश और बराक ओबामा भी शामिल हुए। राष्ट्रपति के शपथ लेने से पहले जेडी वेंस ने उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में कई विवादास्पद कदम उठाए थे और अब वह अपने दूसरे कार्यकाल में -शेष पृष्ठ दो पर

सियोल : रोड शो में 140 से अधिक निवेशक शामिल हुए

सियोल / गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को सियोल में आयोजित एडवांटेज असम 2.0 रोड शो के दौरान संभावित निवेशकों के लिए लाल कालीन बिछाया। दक्षिण कोरिया में भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 140 से अधिक व्यापारिक नेताओं की उपस्थिति रही, तथा वैश्विक व्यवसायों के लिए एक प्रमुख निवेश केंद्र के रूप में राज्य की क्षमता को प्रदर्शित किया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

विद्या सबसे अनमोल धन है; इसके आने मात्र से ही सिर्फ अपना ही नहीं अपितु पूरे समाज का कल्याण होता है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

न्यूज गैलरी

तबलीगी जमात के खिलाफ असम के उलेमाओं ने जारी किया फतवा

गुवाहाटी। असम के कुछ मौलानाओं ने दावत व तबलीग के काम को लेकर फतवा जारी किया है। इस फतवा के खिलाफ जमीयत उलेमा-ए-हिंद कामरूप के सदर एडवोकेट जुनैद खालिद ने रिएक्शन दिया है। असम के कुछ आलिम और उलेमा की तरफ से जारी किए गए फतवे में कहा गया है कि असम में अब से मुसलमान -शेष पृष्ठ दो पर

पद्मश्री बलबीर दत्त पत्रकारिता में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

रांची (हि.स.)। द टाइम्स ऑफ इंडिया ने झारखंड में *टाइम्स बिजनेस अवार्ड्स 2025* के पहले संस्करण के तहत वरिष्ठ पत्रकार और पद्मश्री बलबीर दत्त को पत्रकारिता में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया है। द टाइम्स ऑफ इंडिया ने 17 जनवरी को झारखंड की राजधानी रांची के होटल रेडिशन ब्लू में टाइम्स बिजनेस अवार्ड्स 2025 के पहले संस्करण का आयोजन -शेष पृष्ठ दो पर

नगा समुदायों का कथित भूमि अतिक्रमण को लेकर जोरहाट में तनाव बढ़ा

जोरहाट। जोरहाट के सेलेंग हाट क्षेत्र में तनाव चरम पर है, क्योंकि निवासियों ने पड़ोसी राज्य नगालैंड के निवासियों द्वारा भूमि पर कथित अतिक्रमण को लेकर चिंता व्यक्त की है। स्थानीय लोगों का दावा है कि नगालैंड के निकटवर्ती सीमावर्ती झुग्गी-झोपड़ियों से आए नगा लोगों ने जोरहाट के मरियानी क्षेत्र में तिरु हिल्स रिजर्व वन के बड़े हिस्से को साफ कर दिया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हथियारों से लैस नगा समूहों ने क्षेत्र के निवासियों को धमकाया है तथा आसपास के राजस्व गांवों पर अतिक्रमण जारी रखा है। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि हम एक चिंताजनक स्थिति देख रहे हैं। तिरु हिल्स के लगभग 90 प्रतिशत वन क्षेत्र पर नगा समुदायों ने कब्जा कर लिया है और वे असम के क्षेत्र में अपना नियंत्रण बढ़ाना जारी रखे हुए हैं। यह हम सभी के लिए बेहद चिंताजनक है। निवासियों ने अतिक्रमण को दूर करने में सरकार की कथित निष्क्रियता पर निराशा व्यक्त की है। उन्होंने हाल की -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में बिजली दरें बढ़ाने की कोई योजना नहीं : ऊर्जा मंत्री

गुवाहाटी। असम के उर्जा मंत्री प्रशांत फूकन ने सोमवार को कहा कि बिजली बिल में बढ़ोतरी की कोई संभावना नहीं है और बिजली विभाग ने इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। फकन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मैंने विभाग के अधिकारियों से राज्य में बिजली बिलों की दरें बढ़ाने के बारे में नहीं सुना है। फिलहाल, विभाग के पास उपभोक्ताओं पर बोझ डालने की ऐसी कोई योजना नहीं है। मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य भर के घरों में लगाए गए स्मार्ट बिजली मीटर अच्छी तरह से काम कर रहे हैं और इनसे कोई बढ़ा हुआ बिजली बिल नहीं आ रहा है। इससे पहले, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पूरे राज्य में सौर छत क्षमता स्थापित करने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि असम पहले से ही छतों पर सौर उर्जा क्षमता के माध्यम से 1.8 मेगावाट बिजली पैदा कर रहा है। प्रधानमंत्री सूर्य गृह योजना के तहत राज्य भर में कई घरों में छत पर सोलर पैनल लगाए गए हैं। सरकारी मशीनरी सोलर पैनल की संख्या बढ़ाने के लिए काम कर रही है। शर्मा ने कहा कि असम आने वाले वर्षों में भारी मात्रा में हरित ऊर्जा उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। राज्य सरकार ने 2030 तक अधिकतम हरित उर्जा प्राप्त करने का लक्ष्य रखा है। लक्ष्य को पूरा करने के लिए कई नीतिगत बदलाव किए गए हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए 10 किलोवाट के सौर रूफटॉप पैनल लगाने के लिए तकनीकी व्यवहार्यता अनुमोदन की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। अधिकारी ने बताया कि अन्य सुविधाओं के अलावा, किसी भी घर द्वारा आवेदन करने के तीन दिन के -शेष पृष्ठ दो पर

सर्बिया के वृद्धाश्रम में लगी आग, आठ की मौत, कई झुलसे

बेलग्रेड। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड के बाहरी इलाके में एक बड़ा हादसा हो गया। सोमवार 20 जनवरी को यहां एक वृद्धाश्रम में आग लग गई। इस हादसे में करीब आठ लोगों की मौत हो गई। वहीं कई लोग आग में झुलस गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि ये हादसा सुबह के समय हुआ। अचानक हुई इस घटना से चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक बेलग्रेड के दक्षिणी हिस्से में बाराजेवो नगर पालिका क्षेत्र में तड़के करीब साढ़े तीन बजे वृद्धाश्रम में आग लगी थी। बताया जा रहा है कि जिस वक्त वृद्धाश्रम में आग लगी थी उस समय वहां करीब 30 लोग मौजूद -शेष पृष्ठ दो पर

आरजी कर मामला : दोषी संजय रॉय को उम्रकैद की सजा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मामले में सोमवार को सजा का एलान कर दिया गया है। कोर्ट ने दोपहर 2.45 बजे अपना फैसला सुनाते हुए दोषी संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई। शियालदह अदालत ने संजय रॉय पर 50,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया। शियालदह कोर्ट के जज अनिरबन दास ने कहा कि यह दुर्लभतम मामला नहीं है। पीड़ित परिवार को उसकी मौत के लिए 10 लाख रुपए मुआवजा और 7 लाख रुपए अतिरिक्त दिया जाना चाहिए। इससे पहले सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक -शेष पृष्ठ दो पर

राजनीतिक दल नाखुश जूनियर डॉक्टरों का एससी के बाहर प्रदर्शन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या मामले में आज अदालत ने सजा का एलान कर दिया। अदालत ने दोपहर 2.45 बजे अपना फैसला सुनाते हुए दोषी संजय रॉय को उम्रकैद की सजा सुनाई। आरोपी को उम्रकैद की सजा मिलने पर राज्य में विपक्षी पार्टियों ने नेताओं ने प्रतिक्रिया दी। भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने बताया कि वे -शेष पृष्ठ दो पर

बाबा रामदेव और बालकृष्ण के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी

तिरुवनंतपुरम। केरल की एक अदालत ने भ्रामक विज्ञापनों के मामले में योग चिकित्सक बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और दिव्य फार्मेसी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। पलक्कड़ में न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट द्वितीय ने व्यक्तिगत उपस्थिति के लिए समन जारी होने के बावजूद अदालत में उपस्थित होने में विफल रहने के बाद 16 जनवरी को वारंट जारी किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता अनुपस्थित है। -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीय ज्ञान की समृद्धि उसके परस्पर जुड़ाव में निहित है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को यहां भारतीय विद्या भवन में नंदलाल नुवाल इंडोलॉजी सेंटर की आधारशिला रखने के बाद कहा कि भारतीय ज्ञान की समृद्धि उसके परस्पर जुड़ाव में निहित है। उन्होंने कहा कि हम अलग-थलग देश नहीं हैं बल्कि हम पूरी दुनिया को एक मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यदि हम इंडोलॉजी को ध्यान में रखें तो आज हम जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं उनमें से अधिकांश का त्वरित आधार पर समाधान हो जाएगा। उन्होंने शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने अध्ययन के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाएं। भारतीय ज्ञान की समृद्धि इसकी परस्पर संबद्धता में निहित है। हम अलग-थलग देश नहीं हैं, -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइली सेना के हटते ही गाजा में हमास के लड़ाके आए सड़कों पर

यरुशलम (हि.स.)। गाजा में बंधकों की रिहाई की शर्त पर हुए संघर्ष विराम समझाते के बाद इजराइल की सेना पीछे हटने लगी है। इससे लोग खुश हैं। इस बीच कई जगह आतंकी समूह हमास के बंदूकधारी नकाबपोश लड़ाके लड़ाके सड़कों पर आ गए। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, इजराइली अधिकारियों ने कहा कि उनकी सेना ने गाजा के कुछ हिस्सों से पीछे हटना शुरू कर दिया है। इसका फायदा उठाकर हमास ने फिर से नियंत्रण स्थापित करने की कोशिश की। कई शहरों में नकाबपोश बंदूकधारी सड़कों पर उतर आए। इजराइली सेना ने कहा कि कई इजरायली बंधकों को कल गाजा में कैद से रिहा कर दिया गया और वे अपने परिवारों से मिल -शेष पृष्ठ दो पर

जपानी विदेश मंत्री से मिले जयशंकर

2025-26 को घोषित किया विज्ञान प्रौद्योगिकी और नवाचार वर्ष

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका में अपने प्रवास के दौरान जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया के साथ द्विपक्षीय बैठक की। कल वाशिंगटन डीसी में हुई बैठक में मंत्रियों ने 2025-26 को भारत-जापान विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार वर्ष के रूप में घोषित किया। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि यह दोनों विदेश मंत्रियों की पिछले साल 26 नवंबर को इटली में जी7 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद दूसरी बैठक रही। बैठक ने भारत और -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एनसीसी कैडेट विकसित भारत के सपने को साकार करें : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एनसीसी कैडेटों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया और उन्हें भारत की संपत्ति बताया। सोमवार को दिल्ली कैंट में एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर के अपने दौरे के दौरान कैडेटों को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि कैडेट, चाहे वे किसी भी क्षेत्र में काम करते हों, एनसीसी द्वारा उनमें विकसित किए गए *नेतृत्व, अनुशासन, महत्वाकांक्षा* और *देशभक्ति* के गुणों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने का संकल्प लिया है। वह स्वयं एक एनसीसी कैडेट रहे हैं। इसलिए, यदि किसी पूर्व एनसीसी कैडेट ने कोई सपना देखा है, तो उसे पूरा करना अन्य सभी कैडेटों की सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है। इसका अर्थ है 140 करोड़ भारतीयों की प्रगति, जो सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता के बावजूद एकता में रहते हैं। हमें अपने साथ-साथ समाज के लिए भी कुछ अच्छा करना चाहिए और जल्द ही भारत एक विकसित राष्ट्र बन जाएगा। उन्होंने कैडेटों की प्रतिबद्धता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति प्रेम की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक देश के रूप में भारत जो कुछ भी हासिल करने में सक्षम है, वह सभी की कड़ी मेहनत, खासकर युवाओं की बदौलत है। जब भी मैं एनसीसी कैडेटों से मिलता हूं, तो मुझे उनमें सिर्फ एक कैडेट नहीं दिखता। मैं भारत का प्रतिबिंब देखता हूं, जिसमें कई शरीर हैं लेकिन आत्मा एक है। कई शाखाएं हैं लेकिन जड़ एक है। कई किरणें हैं लेकिन रोशनी एक है। ये कैडेट अलग-अलग क्षेत्रों से आते हैं, अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं और अलग-अलग रीति-रिवाजों और परंपराओं का पालन करते हैं लेकिन एक चीज जो उनमें समान है, वह है *एकता*। उनकी ऊर्जा और उत्साह इस बात का प्रमाण है कि भारत का भविष्य उज्ज्वल है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब भारत को आजादी मिली, उसी समय कई देश स्वतंत्र हुए। केवल वे राष्ट्र ही आज विकास कर रहे हैं, जिन्होंने अनुशासन, अखंडता और राष्ट्रीय एकता के मूल्यों को बनाए रखा है, जबकि जो नहीं रखते, वे अराजकता में हैं। कैडेटों को नेतृत्व का सही अर्थ समझाते हुए रक्षा मंत्री ने 26/11 मुंबई हमलों के दौरान मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के वीर बलिदान का हवाला दिया, जो राष्ट्र को प्रेरित करता है। उन्होंने बदलते समय के साथ खुद को ढालने के महत्व को रेखांकित किया, क्योंकि नई समस्याओं को पुराने दृष्टिकोण या पुराने कौशल-सेट से हल नहीं किया जा सकता है। रक्षा मंत्री ने एनसीसी के तीनों विंग से आए कैडेटों द्वारा एक प्रभावशाली *गार्ड ऑफ ऑनर* की समीक्षा की। कार्यक्रम में *अलंकरण समारोह* भी शामिल था, जहां कैडेटों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए रक्षा मंत्री पदक और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इस वर्ष रक्षा मंत्री पदक केरल एवं लक्षद्वीप निदेशालय की अंडर ऑफिसर थेजा वीपी तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र निदेशालय की सीनियर अंडर ऑफिसर आर्यमित्र नाथ को प्रदान किया गया।

हेरोइन समेत एक तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी सेंट्रल गुवाहाटी पुलिस जिला की टीम ने ड्रग्स समेत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पान बाजार पुलिस की टीम द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान ड्रग्स समेत एक आरोपी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शहीदुल इस्लाम उर्फ बाबू के रूप में की गई है। गिरफ्तारा आरोपी के पास से 22 प्लास्टिक की छोटी-छोटी सीसी में भरकर रख गए 29.34 ग्राम हेरोइन, एक मोबाइल फोन के अलावा नगद 350 रुपए बरामद किए गए है।

गुवाहाटी में सीएम विजिलेंस ने सीडीपीओ के घर पर मारा छापा

गुवाहाटी (हिंस)। सीएम विजिलेंस की टीम ने गुवाहाटी के एबीसी प्वाइंट स्थित आनंद नगर इलाके के चाणक्य पथ में रहने वाले सीडीपीओ सूर्य कुमार बरुवा के घर पर छापा मारा। टीम ने उनके घर से भारी मात्रा में नकदी और संपत्ति के दस्तावेज बरामद किए। बताया जा रहा है कि सूर्य कुमार बरुवा धुबड़ी जिले में सीडीपीओ के पद पर कार्यरत थे और उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार के कई मामले दर्ज हैं। जांच के दौरान टीम ने घर से 50 लाख रुपए की काली कमाई, सोने के आभूषण और अन्य संपत्ति के दस्तावेज जब्त किए। इसके अलावा, गुवाहाटी में उनके कई फ्लैट, खेत्री और कोकराझाड़ में जमीन, धुबड़ी में होटल, गुवाहाटी में लग्जरी बसें और पेट्रोल पंप होने की भी जानकारी सामने आई है। सीएम विजिलेंस ने बरुवा के पास से दो गाड़ियां-एक बीएमडब्ल्यू और एक स्कॉर्पियो भी जब्त की है। टीम को पता चला है कि बरुवा ने अपनी 22 साल की नौकरी के दौरान अनेकों भ्रष्ट तरीकों से संपत्ति अर्जित की।

NO.SCDB/15th FC-504/pt-I/2021-22/1827 *Dated 6/01/2025*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non refundable court fee stamp of Rs, 8.25 (Rupees eight & paise twenty five) only with a validity period of 180 days, which will subsequently to be converted and drawn up in the printed F-2 form are invited from the registered contractors of Class–I (ABC), Class-II and III category of Assam PWD (Roads & Building), according to their eligibility for submitting tenders for the works under 15th FC & 6th ASFC for the year 2023-24 during 2024-25& 2020-21 during 2024-25 as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 1.30 PM on 29/01/2025 and will be opened on the same date & place at 2.PM.

Sl. No.	Name of works	Estimate Amount	Tender Value	Time of completion
1	Const. of Community Toilet at Tilokgaon sub Centre.	Rs. 11,00,000/-	Rs.10,47,960/-	6 month
2	Const. of Community Toilet at Jahalal Bazar.	Rs.10,47,960/-	Rs.10,47,960/-	6 month
3	Const. of Community Toilet at Tinali Bazar Monglagaon.	Rs.10,47,960/-	Rs.10,47,960/-	6 month
4	Const. of Community Toilet at Daboligaon.	Rs.11,00,000/-	Rs.10,47,960/-	6 month
5	Const. of Community Toilet at Kashikotra ABSU Office.	Rs.10,47,960/-	Rs.10,47,960/-	6 month
6	Const. of Community Toilet at Kadamtola VCDC.	Rs.11,00,0000/-	Rs.10,47,960/-	6 month
7	Const. of Community Toilet at Jalang Bazar.	Rs.10,47,960/-	Rs.10,47,960/-	6 month
8	Const. of Community Toilet at Hakla Bazar Patabari.	Rs.10,47,960/-	Rs,10,47,960/-	6 month
9	Const. of Community Toilet at Swarup Sthiti Prachar Sangsad Ambliguri Primary Brahma Joygaloy.	Rs.11,00,000/-	Rs.10,47,960/-	6 month
10	Const. of Community Toilet at Chirang Dist. Bathou Thansali.	Rs.10,47,960/-	Rs.10,47,960/-	6 month
11	Const. of Community Toilet at Gosssaigaon Mandir.	Rs.11,00,000/-	Rs.10,47,960/-	6 month
12	Const. of Community Toilet at Ulubari Garja Thansali.	Rs.10,47,960/-	Rs.10,47,960/-	6 month
13	Const. of Community Toilet at Nimagaon Ansumwi Club.	Rs.11,00,000/-	Rs.10,47,960/-	6 month
14	Const. of Community Toilet at Jwngsatpara Catholic Church.	Rs.10,47,960/-	Rs.10,47,960/-	6 month
15	Const. of Community Toilet at Deolguri Bazar.	Rs.10,47,960/-	Rs.10,47,960/-	6 month
16	Const. of Community Toilet at Silpota Sarontai Club.	Rs.11,00,000/-	Rs.10,47,960/-	6 month
17	Installation of solar Plant at Patabari VCDC Office.	Rs.9,52,828/-	Rs.9,52,828/-	3 month

Details NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized representatives from 6/01/2025 to 29/01/2025 in the office of the undersigned on payment of .03% cost of tender paper in the form of demand draft/Bankers Cheque from any Nationalized Bank duly pledged in favour of the Principal Secretary, BTC, Kokrajhar, Payable at Kokrajhar.

Sd/-
Block Dev. Officer,
Sidli-Chirang Dev. Block, Sidli

IPR(BTC)-2023-24/1328

आसमान में आज लगेगा ग्रहों का जमावड़ा

भोपाल (हि.स.)। खगोल विज्ञान में रुचि रखने वाले लोगों के लिए मंगलवार, 21 जनवरी की शाम बेहद खास होने जा रही है। इस दौरान आसमान में अद्भुत खगोलीय घटना होने जा रही है, जिसमें सौरमंडल के ग्रहों का जमावड़ा लगने लगने जा रहा है। इस दिन सूर्यास्त के बाद आकाश में पूर्व से पश्चिम तक सौरमंडल के छह ग्रह एक कतार में नजर आएंगे। नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने सोमवार को इस खगोलीय घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार की शाम पूर्वी आकाश में मंगल (मार्स) होगा तो सिर के लगभग ऊपर बृहस्पति (जुपिटर) और यूरेनस अपनी चमक विखेर रहे होंगे। वहीं पश्चिमी आकाश में नेप्च्यून, शुक्र (वीनस) और शनि (सेटर्न) कतार बनाते हुए नजर आएंगे।

दिघारखाल टोल गेट पर पुलिस ने पकड़ा भारी मात्रा में मादक पदार्थ

सिलचर (हिंस)। गुप्त सूचना के आधार पर काछार पुलिस ने कलाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत दिघारखाल टोल गेट पर नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि अभियान के दौरान गुवाहाटी से आइजोल जा रहे एक टाटा डीआई वाहन (रजिस्ट्रेशन नंबर- एमजेड- 01जेड- 8256) को रोका गया। वाहन की तलाशी के दौरान 72 कार्टून में भरी 8,640 कोडीन फॉस्फेट कफ सिरप की बोतलें और दो किलोग्राम संदिग्ध गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने बरामद नशीले पदार्थों और वाहन को जब्त कर लिया। इस सिलसिले में मिजोरम के आइजोल जिले के निवासी जोयलदान थांगा (38) को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए नशीले पदार्थों की काले बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ रुपए आंकी गई है। मामले की जांच जारी है।

चोरी की सामग्री समेत दो चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने चोरी के मामले में शामिल दो चोरों को गिरफ्तार किया है। चोरों के पास से भारी मात्रा में चोरी की सामग्री बरामद किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार चोरों की पहचान इकराम हुसैन (25) और इजाजुल हक (19) के रूप में की गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों की निशानदेही पर भेटापाड़ा इलाके में एक कबड्डी की दुकान से भारी मात्रा में चोरी की सामग्री बरामद किया गया।

पृष्ठ एक का शेष

असम में ऑटोमोबाइल...

पहुंचने के लिए असम द्वारा उन्हें दिए जा सकने वाले अनूठे अवसरों से उत्साहित था। एडवांटेज असम कॉन्क्लेव 25-26 फरवरी को आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका ...

भी कई बड़े वादों के साथ लौट रहे हैं। उन्होंने वादा किया है कि वह कार्यकारी शक्ति की सीमाओं को बढ़ाएंगे, लाखों अप्रवासियों को निर्वासित करेंगे, अपने राजनीतिक दुश्मनों के खिलाफ प्रतिशोध लेंगे और अमेरिका की वैश्विक भूमिका को बदल देंगे। 2017 में जब ट्रंप ने पहली बार शपथ ली थी, तो उनका भाषण काफी अंधकारमय था, जिसमें उन्होंने *अमेरिकी खून-खराबे* की बात की थी। इस बार उनका संदेश कुछ अलग है। ट्रंप ने *स्वर्णिम युग* का वादा किया है, जिसमें वह ऐतिहासिक गति और शक्ति से कार्य करेंगे और अमेरिकी संकटों को दूर करेंगे। उन्होंने कहा कि वह *नई सुबह* लाएंगे, जहां वह हर समस्या का समाधान करेंगे। उनका यह भाषण उनकी वापसी का प्रतीक होगा और यह उनके चुनावी अभियान के दौरान किए गए वादों की पुष्टि करेगा। वेटिकन से पोप फ्रांसिस ने ट्रंप को शांति और लोगों के बीच सुलह की अपील की है। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि मैं आशा करता हूं कि ट्रंप एक ऐसी समाज का नेतृत्व करेंगे जिसमें घृणा के लिए कोई स्थान नहीं होगा और लोगों के बीच शांति और सुलह को बढ़ावा देंगे। पोप ने ट्रंप को अपनी प्रार्थनाओं का समर्थन भी दिया और उनके कार्यकाल के लिए आशीर्वाद की कामना की। ट्रंप का यह दूसरा कार्यकाल इस मायने में ऐतिहासिक होगा क्योंकि वह बाइडन को पीछे छोड़कर सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। इसके अलावा, वह अमेरिकी इतिहास में दूसरे राष्ट्रपति हैं, जो चुनाव हारने के बाद सत्ता में वापस लौटेंगे। यह उदाहरण 1893 में ग्रोवर क्लीवलैंड के बाद दूसरा है, जिन्होंने अपना कार्यकाल फिर से शुरू किया था।

सियोल : रोड शो में ...

इस रोड शो ने संभावित निवेशकों के साथ जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान किया, तथा असम में सहयोग, विकास और निवेश के लिए उपलब्ध विशाल अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान की। एकत्रित व्यापारिक नेताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने भारत में एक उभरते निवेश स्थल के रूप में राज्य के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। शर्मा ने उपस्थित लोगों को गर्मजोशी से आमंत्रित करते हुए कहा कि असम आना बहुत खास होगा। मैं आप सभी को एक बार फिर आमंत्रित करना चाहूंगा। हमारे राजदूत इस यात्रा को सुगम बनाएंगे। कृपया आएं और मैं एडवांटेज असम कॉन्क्लेव में कोरिया के प्रतिनिधिमंडल का इंतजार करूंगा। इस कार्यक्रम में भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के प्रवेश द्वार के रूप में असम की स्थिति की भी झलक देखने को मिली, जिसमें मुख्यमंत्री ने कोरियाई व्यापार समुदाय के लिए असम द्वारा प्रस्तुत अद्वितीय अवसरों पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के सभी प्रमुख उद्योग इस कार्यक्रम में भाग लेंगे, जिससे सहयोग के लिए अपार अवसर उपलब्ध होंगे। यदि कोरियाई उद्योग भारतीय समकक्षों के साथ सहयोग करने में रुचि दिखाते हैं, तो हम ऐसी साझेदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए उत्सुक हैं। कार्यक्रम के बाद, शर्मा ने सोशल मीडिया पर उपस्थित लोगों द्वारा दिखाए गए जबरदस्त उत्साह के बारे में अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने पोस्ट किया कि #AdvantageAssam2 का हिस्सा बनने के प्रति उनका उत्साह अभूतपूर्व था। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कोरियाई व्यापार समुदाय *विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में भारत की स्थिति से उत्साहित है* और असम इस गतिशील बाजार तक महत्वपूर्ण पहुंच प्रदान कर सकता है। आने वाले दिनों में मुख्यमंत्री शर्मा अपनी अंतर्राष्ट्रीय पहुंच जारी रखेंगे और कल दक्षिण कोरिया की अपनी यात्रा समाप्त करने के बाद एक और रोड शो के लिए जापान जाने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान, शर्मा ने बानपो हानगांग नदी पार्क का दौरा करने का भी अवसर लिया, जो हान नदी के किनारे 6.4 किलोमीटर लंबा क्षेत्र है। मुख्यमंत्री ने पार्क के डिजाइन और गुवाहाटी के आगामी रिवरफ्रंट के विकास के बीच समानता बताई, जिसे जल्द ही जनता के लिए खोल दिया जाएगा। बहुप्रतीक्षित एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन से पहले, असम सरकार आठ देशों में रोड शो आयोजित कर रही है।

नगा समुदायों का...

एक घटना का हवाला दिया जिसमें चोरी के वाहन बरामद करने का प्रयास करते समय जोरहाट पुलिस कर्मियों को नगा निवासियों द्वारा कथित तौर पर पकड़ लिया गया और बंधक बना लिया गया। एक अन्य स्थानीय व्यक्ति ने जोर देकर कहा कि स्थिति बिगड़ती जा रही है। नगा निवासी असम में घुस आए हैं और हमारी जमीन पर कब्जा कर रहे हैं, और फिर भी सरकार चुप है। अपनी भूमि के संभावित नुकसान की बढ़ती चिंताओं के कारण, कई निवासियों को डर है कि वे जल्द ही बेघर हो जायेंगे। एक अन्य चिंतित स्थानीय व्यक्ति ने कहा कि मुझे डर है कि कल वे आकर मेरी जमीन पर भी कब्जा कर लेंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे। अपने अगले कदम के रूप में स्थानीय लोगों ने कसम खाई है कि अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती है तो वे मामले को अपने हाथ में ले लेंगे।हम इस अतिक्रमण को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग करते हैं। अगर कोई कदम नहीं उठाया गया तो हम चुप नहीं बैठेंगे। सबसे पहले हम शांतिपूर्वक विरोध करेंगे और अगर जरूरत पड़ी तो हम किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार हैं, निवासियों में से एक ने चेतावनी दी। नगालैंड और असम के बीच सीमा विवाद लंबे समय से चला आ रहा है। दिसंबर 2023 में इस जटिल मुद्दे को सुलझाने के लिए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो ने इस मामले पर चर्चा करने के लिए दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। तब से इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री स्तर पर कई बैठकें हो चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि दोनों राज्य चार जिलों-शिवसागर, चराइदेउ, जोरहाट और गोलाघाट में 512.1 किलोमीटर की सीमा साझा करते हैं।

राज्य में बिजली ...

भीतर छत पर सौर पैनल स्थापित कर दिए जाएंगे तथा बिना किसी अतिरिक्त लागत के स्मार्ट इलेक्ट्रिक मीटर भी स्थापित किया जाएगा। अधिकारी ने आगे बताया कि इमारतों के आसपास की छतों और बंजर भूमि पर अप्रयुक्त स्थान से सौर ऊर्जा उत्पादन की काफी संभावनाएं हैं। प्रत्येक घर, व्यवसाय, औदयोगिक या अन्य प्रकार की सुविधा थोड़ी मात्रा में बिजली पैदा कर सकती है जिसका उपयोग भवन में रहने वालों की आवश्यकताओं को आंशिक रूप से पूरा करने के लिए किया जा सकता है और यदि आवश्यक हो तो उसे ग्रिड में वापस भेजा जा सकता है। जबकि जीवाश्म ईंधन से उत्पादित बिजली की लागत प्रतिदिन बढ़ रही है, सौर ऊर्जा की लागत में गिरावट का रुख है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में निर्मित सौर संयंत्रों दवारा उत्पादित बिजली की लागत अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए वाणिज्यिक टैरिफ के बराबर या उससे कम है।

सर्बिया के वृद्धाश्रम...

थे। इनमें से आठ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई वहीं सात लोग झुलस गए। आग इतनी भीषण थी कि उसने देखते ही देखते पूरे आश्रम को अपनी चपेट में ले लिया। सर्बियाई टीवी आरटीएस के मुताबिक झुलसे हुए लोगों को बेलग्रेड सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कई लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही फौरन अग्निशमन कर्मी मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। खबर है जिन लोगों की मौत हुई है उनका शव पूरी तरह से जल चुका है, हालत ऐसी है कि शवों को पहचानना भी मुश्किल हो रहा है। वहीं आग में झुलसे लोग भी अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड़ रहे हैं। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। हालांकि ये आग कैसे लगी फिलहाल इस बारे में जानकारी सामने नहीं आई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि आग एक निवासी ने लगाई थी। फिलहाल इस बारे में पुलिस ने कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। वहीं प्रशासन मामले की तफ्तीश में लगा है और हादसे की वजह पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

आरजी कर मामला : दोषी ...

महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में संजय रॉय को कोलकाता की एक अदालत ने दोषी करार दिया था। रॉय को जिन धाराओं के तहत दोषी करार दिया गया है, उसमें उसे न्यूनतम आजीवन कारावास, जबकि अधिकतम मौत की सजा हो सकती है। फैसला सुनाने से पहले दोषी को कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान संजय रॉय ने अदालत से कहा कि मुझे फंसाया जा रहा है, मैने कोई अपराध नहीं किया है। इस पर सीबीआई ने कहा कि यह जघन्य अपराध है। इसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। सीबीआई के अधिवक्ता ने अदालत से कहा कि हम समाज में लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए कड़ी से कड़ी सजा का अनुरोध करते हैं। मामले में पीड़िता के माता-पिता ने दोषी के लिए मौत की सजा की मांग की है। अपनी दलील में संजय रॉय के वकील ने कहा कि दोषी को फांसी की जगह कोई और सजा दी जानी चाहिए। भले ही यह दुर्लभतम मामला हो, लेकिन सुधार की गुंजाइश होनी चाहिए। अदालत को यह दिखाना होगा कि दोषी क्यों सुधार या पुनर्वास के लायक नहीं है। सरकारी वकील को सबूत पेश करने होंगे और कारण बताने होंगे कि व्यक्ति सुधार के लायक क्यों नहीं है और उसे समाज से पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए। आरजी कर अस्पताल की प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और हत्या मामले में दोषी संजय रॉय को उम्र कैद की सजा पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि, वह अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि, हम सभी ने मौत की सजा की मांग की थी लेकिन अदालत ने आजीवन कारावास दिया है। शियालदह की अदालत के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास ने शनिवार को संजय रॉय को पिछले साल नौ अगस्त को अस्पताल में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म और हत्या का दोषी करार दिया था।

राजनीतिक दल नाखुश...

आरोपी के लिए उच्चतम सजा की मांग कर रहे थे। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने पूछा कि क्या इस फैसले से आरोपियों को कोई संदेश मिलेगा? राज्य के जूनियर डॉक्टर अदालत के फैसले से खुश नहीं हैं। उन्होंने बताया कि वे आरोपी के लिए सख्त सजा चाह रहे थे। यह सजा काफी नहीं है। भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने कहा कि हम आरोपी संजय रॉय के लिए उच्चतम सजा की मांग कर रहे थे। पश्चिम बंगाल के लोगों को भरोसा नहीं हो रहा है कि आरजी कर दुष्कर्म और हत्या मामले में केवल एक व्यक्ति शामिल है। अदालत के फैसले पर भाजपा नेता तापस रॉय ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जो हुआ वह केवल एक व्यक्ति का काम नहीं है। कोलकाता पुलिस और सीबीआई ने मामले की जांच की, लेकिन हमें मालूम है कि सबूतों के साथ छेड़छाड़ की गई है। इसलिए जिन लोगों ने इस घटना की योजना बनाई थी, उनकी जांच होनी चाहिए। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने अदालत के फैसले पर सवाल किया। उन्होंने कहा कि हमारे देश में लोगों की सबसे बड़ी चिंता यह है कि कई दुखद घटनाएं घटती हैं और लोग न्यायालय में सुनवाई का इंतजार करते रहते हैं, जिसके कारण उदासीनता छाई रहती है। लेकिन इस मामले में तुरंत जांच की गई और अदालत ने भी बहुत कम समय में अपना फैसला सुनाया। फैसला भी उचित है, इसका स्वागत करना चाहिए। क्या इस फैसले से आरोपियों को कोई संदेश मिलेगा? अदालत के फैसले से नाखुश जूनियर डॉक्टरों ने सुप्रीम कोर्ट के बाहर प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि हम कठोर सजा चाह रहे थे। यह सजा काफी नहीं है। हम आरोपी को कठोर सजा दिलाने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख करेंगे। र

बाबा रामदेव और...

सभी आरोपी अनुपस्थित हैं। सभी आरोपियों को जमानती वारंट दिया गया है। यह मामला पतंजलि आयुर्वेद की सहायक कंपनी दिव्य फार्मेसी द्वारा प्रकाशित विज्ञापनों के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसने कथित तौर पर ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 का उल्लंघन किया था। विज्ञापनों पर बीमारियों के इलाज के बारे में निराधार दावे करने और एलोपैथी सहित आधुनिक चिकित्सा को अपमानित करने का आरोप है। इसी तरह का एक मामला कोझिकोड में न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट में लंबित है। पतंजलि और उसके संस्थापकों को अपने विज्ञापनों के कारण पिछले दो वर्षों में कई कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इस मुद्दे ने तब राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया जब इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ याचिका दायर की, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसके विज्ञापनों पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया और भ्रामक दावों के लिए अदालत की अवमानना का नोटिस जारी किया। रामदेव और बालकृष्ण के सुप्रीम कोर्ट में पेश होने और उनके सार्वजनिक माफी मांगने के बाद कोर्ट ने पतंजलि को अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का आदेश दिया। हालाँकि, अदालत ने 1945 के ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स के तहत कड़ी कार्रवाई नहीं करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना भी की।

भारतीय ज्ञान की ...

हम पूरी दुनिया को एक मानते हैं, जी-20 की थीम एक धरती, एक परिवार, एक भविष्य ने इसे स्थापित किया है। भारतीय ज्ञान की समृद्धि परस्पर संबद्धता, सभी के कल्याण में निहित है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह हास्यास्पद है कि अज्ञानी लोग अपने संकीर्ण दृष्टिकोण से हमें समावेशिता के बारे में जागरूक करने की कोशिश कर रहे हैं। देश के इतिहास का पहला मसौदा उपनिवेशवादियों के विकृत दृष्टिकोण से आया था। हजारों लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया, लेकिन केवल कुछ को ही बढ़ावा दिया गया। यहां तक कि स्वतंत्रता के बाद भी इसे जड़ें जमाने की अनुमति दी गई। उन्होंने कहा कि इससे हमारी ज्ञान प्रणाली का जैविक विकास बाधित हुआ। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई भी सभ्यता इतने मिथकों और असत्य के अधीन नहीं रही जितनी हमारी सभ्यता रही है। यह अकल्पनीय अनुपात की त्रासदी और उपहास है। भारत की सामूहिक चेतना के 5000 साल के विकास को उलटने का प्रयास किया गया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें औपनिवेशिक विरासत और मानसिकता से खुद को मुक्त करना होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि वेदांत, जैन धर्म, बौद्ध धर्म और अन्य दार्शनिक विचारधाराओं ने हमेशा संवाद और सह-अस्तित्व को प्रोत्साहित किया है। उपराष्ट्रपति ने युवाओं से भारत के गणितीय योगदान पर गर्व करने का आग्रह करते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि भारत की विरासत फले-फूले तथा इसके लिए इससे उपयुक्त समय नहीं हो सकता।

इजराइली सेना के ...

गए। अधिकारियों के अनुसार, इजराइल और हमास के बीच 42 दिनों का संघर्ष विराम समझौता प्रभावी हो गया। रिहा किए गए पहले बंधकों में तीन महिलाएं रोमी गोनेन, एमिली दामरी और डोरोन स्टीनब्रेचर शामिल हैं। इनके बाद इजराइल 90 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। इस समझौते से इजराइली बंदियों और फिलिस्तीनी कैदियों के परिवारों को राहत मिली है और 15 महीने के विनाशकारी युद्ध की समाप्ति की उम्मीद जगी है। कुछ अधिकारियों का कहना है कि संघर्ष विराम के पहले चरण में हमास 33 बंधकों की रिहाई में देरी कर सकता है। लगभग 100 लोग अभी भी उसकी कैद में हैं। इजराइली सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि 33 बंधकों में अधिकांश अभी भी जीवित हैं।

2025-26 को घोषित...

जापान के बीच आपसी विश्वास, साझा मूल्यों और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित स्थायी मित्रता को मजबूत किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने जपानी समकक्ष को भारत आने का भी निमंत्रण दिया। दोनों मंत्रियों ने बैठक में द्विपक्षीय सहयोग के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। वे लगातार बातचीत के माध्यम से रणनीतिक संचार बनाए रखने पर सहमत हुए, जिसमें रणनीतिक वार्ता और विदेश और रक्षा मंत्रियों की टू प्लस टू वार्ता शामिल है। मंत्रालय के अनुसार 1985 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग पर भारत और जापान के बीच पहले समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की 40वीं वर्षगांठ पर मंत्रियों ने 2025-26 को भारत-जापान विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार वर्ष के रूप में घोषित किया। मंत्रियों ने विशेष रूप से प्रौद्योगिकी, कौशल और शिक्षा के क्षेत्रों में लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने के प्रयासों का भी स्वागत किया।

तबलीगी जमात के ...

दावत-ए-तबलीग का काम नहीं करेंगे, क्योंकि दावत-ए-तब्लीग का मरकज दिल्ली निजामुद्दीन में है। इसके अमीर मौलाना साद साहब हैं। वह कुरान की गलत बयानी कर रहे हैं। वह खुद कुरान की कुछ आयतों के बारे में गलत बयान दे रहे हैं। मौलानाओं ने कहा कि तब्लीगी जमात के आमीर मौलाना साद साहब कहते हैं कि हिदायत के मालिक अल्लाह नहीं हैं, जो सरासर गलत है। अल्लाह ही हिदायत देने वाले हैं। इसी को लेकर कुछ मौलानाओं ने असम में दावत व तबलीग के खिलाफ फतवा जारी किया है। इसी बात पर असम के कामरूप जमीयत उलेमा-ए-हिंद के सदर और एडवोकेट जुनैद खालिद ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए फतवा को गलत ठहराया है। उनका कहना है कि असम के बहुत से जाने-माने उलेमा इस फतवा से नाराज हैं।

पद्मश्री बलबीर दत्त ...

किया। समारोह में सेलिब्रिटी अतिथि बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद के हाथों बलबीर दत्त को यह सम्मान मिला। झारखंड की पत्रकारिता में दत्त की पहचान भीष्म पितामह के रूप में है। बलबीर दत्त राज्य के पहले पत्रकार हैं, जिन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है। वे हिंदी दैनिक देश प्राण के संस्थापक और अध्यक्ष हैं। वे कई पुस्तकों के लेखक भी हैं। दत्त पिछले 62 वर्षों से सक्रिय पत्रकारिता में हैं। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह में उन व्यवसायिक नेताओं, उद्यमियों और संगठनों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने झारखंड के विकास और प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह कार्यक्रम नवाचार, उत्कृष्टता और सफलता का जश्न मनाने के लिए समर्पित था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री बलबीर दत्त ने राज्य के संसाधनों का सामूहिक उपयोग और एकता पर जोर दिया। उल्लेखनीय है कि यह द टाइम्स ऑफ इंडिया की 16 वर्षों से चली आ रही प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य विनिर्माण, निर्यात, कॉर्पोरेट, शिक्षा, रिटेल, आतिथ्य, रियल एस्टेट, खाद्य उद्योग सहित 36 श्रेणियों में उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचानना और पुरस्कृत करना है।

राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मामले की भूपेन बोरा ने की निंदा

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज मामले को हास्यास्पद और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ करार दिया। आज गुवाहाटी में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा कि असम पुलिस शासक दल के निर्देशों का पालन करने वाली सेवक बन गई है। भूपेन बोरा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने अपने 17 मिनट के बयान में संविधान और देश की अखंडता की रक्षा पर जोर दिया, लेकिन भाजपा ने षड्यंत्र रचते हुए उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में सांप्रदायिक बयान देकर समाज में अस्थिरता फैलाने का प्रयास किया। बोरा ने यह भी कहा कि असम से गुजरात भेजे गए हाथियों की दुर्दशा पर मुख्यमंत्री ने चुप्पी साध रखी है। उन्होंने आरोप लगाया कि हाथियों की भावनाओं और उनके दर्द को न समझने वाले हिमंत विश्व शर्मा ने इन्हें उपहार में देकर अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पूरी करने की कोशिश की। इस अवसर पर कांग्रेस के मीडिया प्रमुख वेदव्रत बोरा और सोशल मीडिया विभाग के प्रमुख रातुल कलिता भी उपस्थित रहे।

लोक निर्माण विभाग में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी स्थित लास्टगेट के लोक निर्माण (भवन और राष्ट्रीय राजमार्ग) विभाग के सम्मेलन और प्रशिक्षण केंद्र में 18 सहायक अभियंताओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करने का औपचारिक कार्यक्रम सोमवार को आयोजित किया गया। दीप प्रज्ज्वलन से शुरू हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में लोक निर्माण विभाग के मंत्री कृष्णेंदु पाल उपस्थित थे। इसके साथ ही लोक निर्माण विभाग के विशेष आयुक्त एवं विशेष सचिव चंदन शर्मा, विशेष सचिव देबजीत भुइयां, सचिव पवन तेरांग, मुख्य अभियंता, उप सचिव, अवर सचिव और अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम का स्वागत भाषण सचिव पवन तेरांग ने दिया। अपने संबोधन में

मुख्य अतिथि मंत्री कृष्णेंदु पाल ने राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए निष्ठा से अपने कर्तव्यों का पालन करने का आह्वान किया। इसके बाद चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन अधीक्षक अभियंता (यांत्रिक) नयनज्योति बर्मन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

दो दिवसीय संस्कृत भारती का प्रांत सम्मेलन संपन्न

श्रीकांत शर्मा शास्त्री को महेंद्र कांदली पुरस्कार

गुवाहाटी (हिंस)। पंजाबारी के शंकरदेव कालाक्षेत्र में संस्कृत भारती के दो दिवसीय प्रांतीय सम्मेलन का समापन हो गया। रविवार को संपन्न समारोह में संस्कृत विद्वान श्रीकांत शर्मा शास्त्री को महेंद्र कांदली पुरस्कार प्रदान किया गया। गौहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष सुदेष्णा भट्टाचार्य को संस्कृत भारती के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। कार्यक्रम में संस्कृत भारती के डॉ. रंजीत तिवारी ने सोमवार को बताया है कि इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक वशिष्ठ बुजरबरुवा, संस्कृत भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री जयप्रकाश गौतम, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और पुरातन विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. प्रह्लाद आर जोशी भी उपस्थित थे। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक बुजरबरुवा ने कहा कि यदि अन्य देशों के लोग भारत को जानना चाहते हैं तो सबसे पहले उन्हें संस्कृत भाषा को जानना होगा। भारत के सभी धार्मिक ग्रंथ वैज्ञानिक सिद्धांतों से समृद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अनुसंधान की आवश्यकता है। पुरस्कार ग्रहण करने के बाद श्रीकांत शर्मा शास्त्री ने संस्कृत भारती के इस पुरस्कार के लिए उन्हें चुनने के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। शास्त्री ने कहा कि इस पुरस्कार से उन्हें प्रेरणा मिली है। उपकुलपति जोशी ने संस्कृत

भाषा में शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों के अपनाए जाने वाले विभिन्न तरीकों का उल्लेख किया और कहा कि शिक्षा प्रणाली को समय के अनुसार बदलना होगा। कार्यक्रम में असम सरकार के शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक प्रसन्न बोरा ने शिक्षकों को पाठों को समझाने में आसान तरीके से सिखाने पर जोर देने का सुझाव दिया। राज्य संगठन मंत्री भावेन सैकिया ने बैठक में स्वागत भाषण दिया। बैठक में गौहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष सुदेष्णा भट्टाचार्य को संस्कृत भारती के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा, अभिजीत बसुमतारी को प्रांत के कोषाध्यक्ष, भास्कर शर्मा को प्रांत प्रचार प्रमुख और अरूप शर्मा को सहायक प्रचार प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के सचिव सुदर्शन ठाकुर, कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत और पुरातन विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक रंजीत तिवारी, संस्कृत भारती के प्रांत मंत्री पंकज शर्मा, असम प्रदेश विद्यालय शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष रुक्म गोहाईं बरुवा और असम सरकार के शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक प्रसन्न बोरा भी उपस्थित थे।

गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर महिला ने दिया बच्चे को जन्म

गुवाहाटी (हिंस)। आपातकालीन स्थिति में बिहार की एक महिला ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 4 पर एक बच्चे को जन्म दिया है। प्रसव कराने में रेलवे के चिकित्सक और रेलवे सुरक्षा बल की महिला कर्मियों ने मदद की। इसके बाद महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस तरह महिला की यह ट्रेन यात्रा एक अविस्मरणीय पल में बदल गई। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने सोमवार को बताया है कि उक्त महिला आज रानी कमलापति एक्सप्रेस से अगरतला से बरौनी जा रही थी। उस दौरान उसे अचानक प्रसव पीड़ा हुई। सूचना मिलने पर पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के अधिकारियों ने तुरंत आवश्यक कदम उठाए और महिला समेत उसके परिवार के सदस्यों को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर उतरने की सलाह दी। शर्मा ने बताया कि ट्रेन के गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर पहुंचते ही रेलवे के चिकित्सक और रेलवे सुरक्षा बल की महिला कर्मियों ने स्टेशन पर ही महिला का सफल प्रसव कराया। बच्चे के जन्म के बाद महिला को उसके पति के साथ एंबुलेंस से गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल पहुंचाया गया। शर्मा ने कहा कि पूसीरे प्राधिकारी किसी भी आपातकालीन स्थिति में अपने यात्रियों की सहायता करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है।

कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने डॉ. बीआर अंबेडकर स्वास्थ्य संस्थान को किया सील

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला प्रशासन ने आज डॉ. बीआर अंबेडकर मेडिकल एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट को आवश्यक अनुमति और नियामक स्वीकृतियों के बिना संचालित होने के कारण सील कर दिया। यह कार्रवाई कार्यकारी मजिस्ट्रेट ध्रुवज्योति दास के नेतृत्व में कोकराझाड़ पुलिस थाना के सहयोग से की गई। अवैध संस्थान को बंद करना उन राज्यव्यापी कदमों का हिस्सा है, जिनका उद्देश्य ऐसे अवैध और अनाधिकृत स्वास्थ्य विज्ञान संस्थानों पर कार्रवाई करना है, जो छात्रों को फर्जी डिग्री और डिप्लोमा प्रदान कर गुमराह करते हैं। सरकारी नियमों के अनुसार, किसी भी संस्थान को स्वास्थ्य विज्ञान जैसे फार्मेसी, नर्सिंग, फिजियोथेरेपी, लैब तकनीशियन आदि में शिक्षा या प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए श्रीमंत शंकरदेव यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (एसएसयूएचएस) से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है। अधिसूचना संख्या एमईआर 307386/2 दिनांक 06-06-2023 के अनुसार, असम में संचालित किसी भी निजी विश्वविद्यालय या संस्थान को भी एसएसयूएचएस से संबद्धता प्राप्त करना आवश्यक है। डॉ. बीआर अंबेडकर मेडिकल एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट आवश्यक अनुमतियां और संबद्धता प्राप्त करने में विफल रहा, जिसके कारण आज की यह कार्रवाई की गई।

बीटीसी प्रमुख ने बोड़ोलैंड स्पोर्ट्स मीट 3.0 का किया उद्घाटन

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने आज एसएआई, एसटीसी, कोकराझाड़ में बोड़ोलैंड स्पोर्ट्स मीट के तीसरे संस्करण का उद्घाटन किया। खेल एवं युवा कल्याण निदेशालय, बीटीसी द्वारा आयोजित, तीन दिवसीय खेल उत्सव का उद्देश्य बोड़ोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) की समृद्ध खेल संस्कृति का जश्न मनाना और युवा एथलीटों को विभिन्न विषयों में अपनी प्रतिभा दिखाने और निखारने के लिए एक मंच प्रदान करना है। इस वर्ष के संस्करण में फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, स्वदेशी खेल और पैरा स्पोर्ट्स की प्रतियोगिताएं शामिल हैं, जो क्षेत्र की विविध खेल विरासत और समावेशिता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। समारोह को संबोधित करते हुए, बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने व्यक्तियों और क्षेत्र दोनों के समग्र विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने खिलाड़ियों के जीवन में अनुशासन और दृढ़ता के महत्व को रेखांकित किया और प्रतिभागियों को राज्य, राष्ट्रीय और

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे खेल, जो कभी मुख्य रूप से शारीरिक व्यायाम और मनोरंजन के स्रोत के रूप में देखे जाते थे, अब आशाजनक करियर के अवसरों में बदल गए हैं। क्षेत्र के खेल क्षेत्र में बुनियादी ढांचे की चुनौतियों को स्वीकार करते हुए, बीटीसी प्रमुख ने बीटीआर में खेल सुविधाओं को मजबूत करने के लिए परिषद की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने घोषणा की कि क्षेत्र में खेलों के विकास के लिए एक रणनीतिक ढांचा प्रदान करने के लिए वर्तमान में बोड़ोलैंड खेल नीति का मसौदा तैयार किया जा रहा है। एथलीटों के लिए आवास की सुविधा के लिए भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, उन्होंने बक्सा और कोकराझाड़ में 5 करोड़ रुपए के निवेश से खिलाड़ियों के लिए 500-क्षमता वाले छात्रावासों के निर्माण की योजना का भी अनावरण किया। इसके अलावा उन्होंने कहा कि उदलगुड़ी में खेल अकादमी की स्थापना का काम जल्द ही शुरू होगा, ताकि उभरती प्रतिभाओं को आगे बढ़ाया जा सके। उद्घाटन समारोह में कई प्रतिष्ठित गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही, जिनमें खेल एवं युवा कल्याण विभाग, बीटीसी के ईएम दाओबैसा बोरो, ईएम सजल सिंह, 135वीं इन्फैंट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना) के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल गौरव नेगी, कोकराझाड़ नगर निगम की अध्यक्ष प्रतिभा ब्रह्मा, तामुलपुर की पूर्व विधायक चंडी बसुमतारी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे।

ग्वालपाड़ा के दलगोमा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की विशाल बैठक आयोजित

नगरबेड़ा (विभास)। धुबड़ी लोकसभा सांसद और कांग्रेस नेता रकीबुल हुसैन ने कल ग्वालपाड़ा जिले के पूर्वी ग्वालपाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के तहत डलगोमा में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक विशाल रैली में भाग लिया। बैठक में सांसद रकीबुल हुसैन के अलावा पूर्वी ग्वालपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक एके राशिद आलम, जलेश्वर विधानसभा क्षेत्र के विधायक आफताब उद्दीन मुल्ला, बोटादरवा विधानसभा क्षेत्र के विधायक शिबामणि बोरा, लहरीघाट विधानसभा क्षेत्र के विधायक आसिफ नजर, नलबाड़ी के पूर्व विधायक अशोक शर्मा सहित विधानसभा क्षेत्र के श्रीसूर्यगिरि ब्लॉक कांग्रेस की पहल पर और पैकान ब्लॉक कांग्रेस के सहयोग से आयोजित बैठक में उपस्थित थे। रैली में सांसद के लगभग एक घंटे के भाषण में उन्होंने सत्तारूढ़ भाजपा और राज्य के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा पर हमला किया। सांसद ने अपने संबोधन में कहा कि हिमंत विश्व शर्मा ने प्रदेश की सभी जाति और समुदाय के लोगों को धोखा दिया है। इसलिए कोई भी जातीय समूह अब उनके साथ नहीं है। हिमंत विश्व शर्मा ने नागरिकता का आधार वर्ष 51 बनाने की साजिश रची थी, लेकिन हिमंत विश्व शर्मा अब अपना दिमाग खो चुके हैं जब देश की सर्वोच्च अदालत ने 71को आधार वर्ष के रूप में बरकरार रखा है। हिमंत विश्व शर्मा को हाल ही में राज्य में हर जाति और जनजाति के लोगों को हर तरह से धोखा देकर असम के अल्पसंख्यक मुस्लिम लोगों से वोट मांगने के लिए मजबूर हो गया है। यह जानते हुए कि आगामी पंचायत चुनावों में निश्चित हार होगी, हिमंत विश्व शर्मा में अब पार्टी के चुनाव चिह्न के साथ चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं है. रकीबुल हुसैन ने कहा कि हार के डर से, उन्हें संविधान का उल्लंघन करने के बावजूद पंचायत चुनाव स्थगित करने के लिए मजबूर किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने आगे कहा कि कोई भी हिमंत विश्व शर्मा पंचायत प्रतिनिधियों के अलावा अरुणोदय या कोई अन्य योजना नहीं दे सकता है। ऐसे में उन्होंने लोगों से आगामी पंचायत चुनाव में हिमंत विश्व शर्मा के अत्याचारों के खिलाफ मतदान कर योजना का लाभ उठाने की अपील की। ऐसे समय में जब असम के लोग अब मूल्य वृद्धि के कारण अपनी क्रय शक्ति खो रहे हैं।

मायुमं, कामाख्या शाखा का 41वां स्थापना दिवस

गुवाहाटी (विभास)। मायुमं कामाख्या शाखा ने अध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया की अध्यक्षता में आठगांव स्थित नेहा अपार्टमेंट में 41वें स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका नाम *मंच की बात अपनों के साथ* रखा गया आज के कार्यक्रम में पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष व शाखा सलाहकार संतोष शर्मा, पूर्व अध्यक्ष व सलाहकार वंदना शर्मा, मीना पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष मंजू भजनका, पिंकी जैन, नीलम भजनका, पूर्व अध्यक्ष व प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य पिंकी बैंगानी, पोषक सदस्य शांति कुंडलिआ ने हमें मंच के बारे में बहुत कुछ सिखाया और बताया कि हमे मंच में कैसे काम करना चाहिए मंच के लिए हमें क्या करना चाहिए उन्होंने हमे मंच में अपने कार्यकाल के बारे में बहुत सारी जानकारी दी जिससे हमें बहुत कुछ सीखने को मिला। सभी पूर्व अध्यक्ष को फुलम गमछा व सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया। आज के कार्यक्रम की संयोजिका जया पारीक ने बहुत सुंदर तरीके से कार्यक्रम का संचालन किया। अंत में सह सचिव मीना जैन द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया । जन संपर्क सचिव अरुणा अग्रवाल ने बताया की कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष खुशबू मोर, सह सचिव मीना जैन, प्रभा चौरड़िया, अरुणा अग्रवाल सुनीता सराफ, सीमा शर्मा, नेहा जैन आदि सदस्य उपस्थित थीं।

रंगिया में एक और युवक के लापता होने की घटना से फैली सनसनी

रंगिया (निसं)। रंगिया में एक और युवक के लापता होने की घटना चर्चा का विषय बनी हुई है। गोरेश्वर के भीम दास रंगिया से लापता हैं। गोरेश्वर के सिल्किझाड़ के स्व. कृष्ण दास और द्रौपदी दास के पुत्र भीम दास शुक्रवार, 17 जनवरी से लापता हैं। घटना के विवरण के अनुसार भीम दास को रंगिया के चिराखुंडी के उनके चचेरे भाई जयदेव दास द्वारा काम पर बुलाया गया था। भीम एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान में भी काम कर रहा था। लेकिन अचानक भीम दास का शुक्रवार रात से कोई पता नहीं चल पाया है। 19 वर्षीय भीम दास के पास फोन नहीं था। जैसे पिछले दिनों की तरह ही बुआ के पुत्र जयदेव ने सोचा कि वह काम पर है, लेकिन जब वह रात को घर नहीं लौटता है, तो भीम के काम के स्थान पर जाकर पूछता है तो मालिक कहता है कि वह काम पर नहीं आया है। इसके बाद जयदेव दास चारों ओर भीम को तलाशता है, परिचित लोगों को बुलाता है। लेकिन भीम दास या उसकी खबर नहीं मिल सकी। आज भीम दास की मां और दो भाई-बहन रंगिया पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराने आए। अब परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों की अपील है कि यदि कोई भीम दास को कहीं देखता है, तो संपर्क करने के लिए अनुरोध किया है।

नामेरी राष्ट्रीय उद्यान में मुठभेड़, शिकारी ढेर

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिलांतर्गत नामेरी राष्ट्रीय उद्यान के अंदरुनी हिस्से में शिकारी और राष्ट्रीय उद्यान के सुरक्षा कर्मियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक अवैध शिकारी की मौत हो गई। यह मुठभेड़ नामेरी राष्ट्रीय उद्यान के क्षेत्रीय कार्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर और राष्ट्रीय उद्यान के घने जंगलों के बीच डिकराई क्षेत्र में हुआ। वन विभाग के सूत्रों ने आज बताया है कि तस्कर हिरण का शिकार करने के इरादे से राष्ट्रीय उद्यान के अंदर आया था। मुठभेड़ से पहले ही अवैध शिकारी ने एक हिरण को मार डाला था। वन रक्षकों की एक टीम द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान, अवैध शिकारी ने वन रक्षकों पर गोलीबारी की।

श्री बाबा रामदेव भक्त संगम का जम्मा जागरण संपन्न

खम्मा-खम्मा के भजनों पर भावविभोर हुए महानगरवासी

गुवाहाटी। आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला के वृंदावन गार्डन प्रांगण में रविवार को श्री बाबा रामदेव भक्त संगम, गुवाहाटी के तत्वावधान में 17वां वार्षिक महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान खम्मा-खम्मा के भजनों पर महानगरवासी भावविभोर हो गए। वहीं जम्मा जागरण में प्रसंग अनुसार जीवंत झांकियां श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण के केंद्र रही। आयोजकों ने बताया कि इस मौके पर वृंदावन गार्डन में रूणिचा के पीर बाबा रामदेव का भव्य दरबार बैठाया गया, जिसमें फूलों द्वारा अलौकिक श्रृंगार किया गया। श्री द्वारिकानाथ भगवन के अवतार बाबा

रामदेवजी का भव्य जम्मा जागरण कार्यक्रम का शुभारंभ समिति की ओर से संजय गुप्ता, विजय बोथरा व विकास पटवारी द्वारा बाबा की पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलित कर की गई। तत्पश्चात हैदराबाद से पधारे सुप्रसिद्ध जम्मा गायक कलाकार सुशील गोपाल बजाज ने बाबा रामदेव जी का जम्मा जागरण कार्यक्रम का शुभारंभ ठेठ राजस्थानी अंदाज में करते हुए उपस्थित भक्तों के जहन में रूणिचा धाम की याद ताजा कर दी। इस दौरान जन्म वृतांत और ब्यावले की कथा के समय जीवंत झांकियों के माध्यम से दर्शाया गया। इस अवसर पर बाबा को सवामणि का महाप्रसाद चढ़ाया गया एवं भक्तों के लिए अमृत भंडारे की व्यवस्था की गई जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम संयोजक नारायण अग्रवाल ने बताया कि एक दिवसीय इस महोत्सव में गुवाहाटी के अलावा विभिन्न स्थानों से पहुंचे भक्तों ने बाबा के दरबार में हाजरी लगाई। समिति के सचिव रवि सुरेका ने बताया कि महोत्सव का समापन बाबा की महाआरती व प्रसाद वितरण के साथ हुआ। वरिष्ठ सदस्य दीपक पोद्दार ने बताया कि जम्मा जागरण आयोजन को सफल बनाने में समिति के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा। उन्होंने सभी भक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No.83PSC/DR-22/1/2023-24

NOTIFICATION

It is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold the Interview/Viva-Voce for the post of **Research Assistant in Finance (Economics Affairs) Deptt. (Advt. No. 09/2024, dated 24/04/2024)** at its office in Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22. The detailed programme for the Interview/Viva-Voce ts given below :

Sl. No.	Name of the Post & Department	Date of Interview / Viva-Voce	Reporting Time
1	**Research Assistant in Finance (Economics Affairs) Deptt.**	**5th February / 2025**	**9:00 AM**

Kindly note that the candidates appearing the interview/viva-voce **must bring the following testimonials in ORIGINAL along with self attested photocopies in chronological order, thereof for verification/scrutiny on the day of the interview :**

i. H.S.L.C Admit/Pass Certificate as a proof of age.
ii. H.S.L.C Marksheet and Pass Certificate.
iii. H.S.S.L.C Marksheet and Pass Certificate
iv. Degree Marksheet (All Semester) and Pass Certificate.
v. CGPA Conversion Formula of the respective universities
vi. Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration
vii. **State Government Employees of Assam must submit No Objection Certificate from their respective employer or Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration as domicile proof.**
viii. Caste/PwWBD certificate/BPL Card (if applicable).
ix. Declaration Form A *("May be downloaded from APSC's website").*
x. Any other documents that may be relevant for their candidature.

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. **The intimation letters shall be uploaded on 27/01/2025 in the APSC's website (www.apsc.nic.in).** The candidates shall have to download their own intimation letter from the aforesaid website.

Deputy Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/11794/24/21-Jan-25

संपादकीय

मुफ्तखोरी के चुनाव

भाजपा का दिल्ली संकल्प-पत्र भी मुफ्त की रेवडियों का संकलन लगता है। इसी के साथ सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने मुफ्तखोरी के पिटारे खोल दिए हैं। यह मुफ्तखोरी का दौर है। यदि औसत आदमी को बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य मुफ्त में ही मिल जाएं। 'आयुष्मान भारत' योजना के साथ 5 लाख रुपए तक का इलाज (यानी 10 लाख रुपए तक मुफ्त) भी 'फ्री' में उपलब्ध हो जाए। यदि 2100 रुपए से 2500 रुपए तक माहवार मुफ्त में ही महिलाओं को मिलते रहें, यदि बुजुर्गों की पेंशन भी 2500-3000 रुपए तय कर दी जाए, तीर्थ-यात्रा भी मुफ्त में कराई जाए, बस-यात्रा और मेट्रो-यात्रा भी मुफ्त या आधी हो जाए, देश भर में 81 करोड़ से ज्यादा गरीबों को मुफ्त अनाज बांटने के अतिरिक्त 5 रुपए में भरपेट खाने की योजना भी मिल जाए, तो बेहद अहम सवाल है कि काम कौन और क्यों करेगा? यदि देश में कमेरों की संख्या लगातार कम होती जाएगी, तो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का क्या होगा? औसत व्यक्ति की मांग, उपभोग ही कम होते जाएं, तो उत्पादन और बाजार के हालात कैसे होंगे? जिस देश में अधिकतर आबादी मुफ्तखोरी पर जिंदा हो, तो उसकी अर्थव्यवस्था 'विकसित' कैसे हो सकती है? पहले किसी भी चुनाव में, रात के अंधेरों में, शराब के साथ नोट भी बांटे जाते थे, लेकिन अब खुल्लमखुल्ला पैसा ही नहीं, साड़ी, कंबल, चादर, जूते-चप्पल और सोने की चेन (जैसी चर्चा है) तक बांटी जा रही हैं। आचार-संहिता की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सब खामोश और मूकदर्शक बने हैं। यह जनादेश का चुनाव है या एक-एक वोट खरीदा जा रहा है अथवा लोकतंत्र ही बेचा जा रहा है। मुफ्तखोरी की इस राजनीति ने आम आदमी को 'भिखारी' ही बना दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के दो बयान गौरतलब हैं, लेकिन विरोधाभासी भी हैं। प्रधानमंत्री ने करीब दो साल पहले, किसी चुनाव में ही, कहा था कि रेवडियों की संस्कृति से देश का बंटाधार हो जाएगा। देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह बहुत खतरनाक है। दूसरा बयान था-'रेवड़ी कल्चर जनता को मूर्ख बनाने की कोशिश है।' विरोधाभास यह है कि प्रधानमंत्री की पार्टी भाजपा ही सबसे अधिक, व्यापक स्तर पर, रेवडियां बांट रही है। आम आदमी पार्टी (आप) की राजनीति तो दिल्ली, पंजाब तक सीमित है। कांग्रेस की तीन राज्यों में ही सरकारें हैं। भाजपा-एनडीए की सरकारें 20 से अधिक राज्यों में हैं। सवाल है कि देश प्रधानमंत्री के बयान पर भरोसा करे अथवा चुपचाप 'मुफ्तखोरी का माल' ग्रहण करता रहे? 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने तो रेवडियों को 'भगवान का प्रसाद' माना है। 'आप' की दलीलें हैं कि उद्योगपतियों के 15-16 लाख करोड़ रुपए माफ किए जा सकते हैं, तो आम आदमी को कुछ सुविधाएं देना भी कल्याणकारी सरकारों का दायित्व है। दिल्ली चुनाव में मुफ्तखोरी की तो बहार है, लेकिन किसी भी दल ने नौकरी, रोजगार मुहैया कराने की चरणबद्ध योजना की घोषणा नहीं की है। यह प्रवृत्ति फिलहाल तो दिल्ली चुनाव में ही देखी जा रही है, अलबत्ता अन्य राज्यों के चुनावों में भी ऐसा लगता है मानो खुलेआम रिश्वत बांटी जा रही है! दिल्ली में भाजपा को यह घोषणा भी करनी पड़ी है कि यदि उनकी सरकार आई, तो 'आप' सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को भी जारी रखा जाएगा। उन्हें अधिक कारगर और भ्रष्टाचार-मुक्त बनाया जा सकता है। यदि भाजपा 'आप' सरकार की योजनाओं को भी जारी रखना चाहती है, तो सवाल है कि फिर भाजपा को ही जनादेश क्यों दिया जाए? बहरहाल अभी देश पर करीब 200 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कर्ज क्यों लेना पड़ा, देश के सामने स्थिति साफ नहीं है, लेकिन जीडीपी का मोटा हिस्सा कर्ज चुकाने में ही खर्च हो जाता है। राज्यों पर भी 3 लाख करोड़ से लेकर 7.5 लाख करोड़ रुपए तक के कर्ज हैं। दिल्ली अद्र्धराज्य में भी 15,881 करोड़ रुपए का वित्तीय घाटा दिखाया गया है। ऐसे देश में मुफ्तखोरी की राजनीति करना, रेवडियों की बढ़-चढ़ कर घोषणाएं करना क्या देशहित में है? स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि देश की राजनीति इस समय मुफ्तखोर जनता को पैदा कर रही है। कई देशों में इस तरह की राजनीति के भयंकर परिणाम सामने आ चुके हैं। अब समय आ गया है कि मुफ्तखोरी की राजनीति को रोकने के लिए सभी दलों को देशहित में सोचना होगा।

> 'आयुष्मान भारत' योजना के साथ 5 लाख रुपए तक का इलाज (यानी 10 लाख रुपए तक मुफ्त) भी 'फ्री' में उपलब्ध हो जाए। यदि 2100 रुपए से 2500 रुपए तक माहवार मुफ्त में ही महिलाओं को मिलते रहें, यदि बुजुर्गों की पेंशन भी 2500-3000 रुपए तय कर दी जाए, तीर्थ-यात्रा भी मुफ्त में कराई जाए, बस-यात्रा और मेट्रो-यात्रा भी मुफ्त या आधी हो जाए, देश भर में 81 करोड़ से ज्यादा गरीबों को मुफ्त अनाज बांटने के अतिरिक्त 5 रुपए में भरपेट खाने की योजना भी मिल जाए, तो बेहद अहम सवाल है कि काम कौन और क्यों करेगा? यदि देश में कमेरों की संख्या लगातार कम होती जाएगी, तो देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का क्या होगा? औसत व्यक्ति की मांग, उपभोग ही कम होते जाएं, तो उत्पादन और बाजार के हालात कैसे होंगे

विवादों को सुलझाने में मदद करने के लिए न्यायिक परिवेश बेहतर बनाने की डगर पर आगे बढ़े

प्रवासियों से बढ़ेगा विदेशी निवेश

डा. जयंतीलाल भंडारी

> वस्तुत: विदेशों में भारत के प्रवासी भारत के राजदूत हैं और अपने-अपने देशों में प्रभाव रखते हैं। ऐसे में अब भारत ने 2024 तक विकसित देश बनने का जो लक्ष्य रखा है, उस लक्ष्य को पाने के लिए प्रवासी भारतीयों से नए सहयोग की अपेक्षा है। अपेक्षा है कि प्रवासी भारत की विभिन्न परियोजनाओं में स्वयं निवेश करें और अपने विदेशी मित्रों को भी निवेश के लिए प्रेरित करें। उल्लेखनीय है कि 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बाद प्रवासी भारत के विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए हैं।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 जनवरी को ओडिशा के भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय जहां भारत के प्रवासी भारत के विकास में बड़ा योगदान दे रहे हैं, वहीं भारत के टैलेंट का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है। हमारे प्रोफेशनल दुनिया की बड़ी कंपनियों के जरिए ग्लोबल ग्लोब में अपना अभूतपूर्व योगदान रहे हैं। वस्तुतः विदेशों में भारत के प्रवासी भारत के राजदूत हैं और अपने-अपने देशों में प्रभाव रखते हैं। ऐसे में अब भारत ने 2024 तक विकसित देश बनने का जो लक्ष्य रखा है, उस लक्ष्य को पाने के लिए प्रवासी भारतीयों से नए सहयोग की अपेक्षा है। अपेक्षा है कि प्रवासी भारत की विभिन्न परियोजनाओं में स्वयं निवेश करें और अपने विदेशी मित्रों को भी निवेश के लिए प्रेरित करें। उल्लेखनीय है कि 18वें प्रवासी भारतीय सम्मेलन के बाद प्रवासी भारत के विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) बढ़ाने के लिए प्रेरित हुए हैं। इस सम्मेलन में शामिल कई प्रवासी उद्यमी और कारोबारी यह कहते हुए दिखाई दिए कि नए वर्ष 2025 में भारतीय प्रवासियों से एफडीआई से संबंधित उजली संभावनाओं को मुठ्ठी में लेने के लिए यह जरूरी होगा कि भारत विदेशी निवेश की सीमा बढ़ाने, नियामक बाधाओं को हटाने, बुनियादी ढांचे के विकास, व्यापार-कारोबार में बेहतरी, निवेश की क्षेत्रीय सीमाओं को उदार बनाने, नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने, नौकरशाही संबंधी बाधाओं को कम करने और कॉरपोरेट को उनके विवादों को सुलझाने में मदद करने के लिए न्यायिक परिवेश बेहतर बनाने की डगर पर आगे बढ़े। गौरतलब है कि प्रवासी भारतीयों ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के द्वारा जारी रिपोर्ट पर भी विशेष रूप से ध्यान दिया, जिसके मुताबिक देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह अप्रैल 2000 से सितंबर 2024 तक 1000 अरब डॉलर को पार कर गया है। खास तौर से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से सितंबर 2024 के दौरान 42.1 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है। यह निवेश 60 सेक्टर, 31 राज्य और केंद्र शासित क्षेत्रों में रहा है तथा यह एफडीआई का अब तक का रिकॉर्ड प्रवाह है। खास बात यह भी है कि वर्ष 2014 के बाद से अब तक पिछले 10 वर्षों में 667.4 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। भारत के आर्थिक विकास की यात्रा में एफडीआई का यह विशाल आकार एक बड़ी उपलब्धि है। यह वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में भारत के

बढ़ते प्रभाव को भी दिखाता है। यदि हम भारत में एफडीआई के स्रोत देशों की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत में एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत मॉरीशस रहा है। मॉरीशस ने कुल विदेशी निवेश में 25 प्रतिशत का योगदान दिया है। सिंगापुर 24 प्रतिशत एफडीआई के साथ दूसरे स्थान पर है। अमेरिका 10 प्रतिशत निवेश के साथ तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा बड़े निवेशक देशों में नीदरलैंड्स, जापान और ब्रिटेन शामिल हैं। भारत में जिन क्षेत्रों में विदेशी निवेश आकर्षित हुआ है, उनमें आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, टेलीकम्युनिकेशंस, ट्रेडिंग, इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंसल्टेंसी सहित सर्विस सेक्टर प्रमुख सेक्टर हैं। निःसंदेह देश को विदेशी निवेश का पसंदीदा देश बनाने में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की अहम्भूमिका है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में देश की विकास दर अनुमानों से अधिक 8.2 फीसदी रही है और इस चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भी यह करीब 7 फीसदी रह सकती है। भारत में तेजी से विदेशी निवेश आकर्षित होने के कई कारण हैं। भारत विश्व अर्थव्यवस्था में नई शक्ति प्राप्त कर रहा है। चार वैश्विक रुझान जनसांख्यिकी, डिजिटलीकरण, डीकार्बोनाइजेशन और डीग्लोबलाइजेशन न्यू इंडिया के पक्ष में हैं। भारत में मजबूत राजनीतिक नेतृत्व है। जिन सुधारों से विदेशी निवेश आकर्षित हुए हैं, उनमें मेक इन इंडिया पहल, आर्थिक उदार नीतियां, जीएसटी, प्रतिस्पर्धी श्रमिक लागत और रणनीतिक प्रोत्साहन, कई सेक्टर में 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति, स्टार्टअप फंडिंग के लिए एंजेल टैक्स खत्म होना, विदेशी कंपनियों के लिए कारपोरेट टैक्स में कमी प्रमुख हैं। इतना ही नहीं, भारतीय बाजार बढ़ती डिमांड वाला बाजार है। देश में प्रतिभाशाली नई पीढ़ी की कौशल दक्षता, आउटसोर्सिंग और देश में बढ़ते हुए मध्यम वर्ग की चमकीली क्रयशक्ति के कारण विदेशी निवेश भारत की ओर तेजी से बढने लगा है। भारत में उद्योग-कारोबार को आसान बनाने के लिए विगत 10 वर्षों में करीब 1500 पुराने कानूनों और 40 हजार अनावश्यक अनुपालन को समाप्त कर दिया गया है। आर्थिक क्षेत्र में दिवालिया कानून जैसे सुधार किए गए हैं। कानून के कई प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने और एफडीआई के लिए नए रास्ते जैसे अभूतपूर्व कदमों से देश की ओर विदेशी निवेश का प्रवाह तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रवासी भारतीय इस बात से वाकिफ हुए हैं कि वैश्विक स्तर पर सुस्त बाजारों और चीन की आर्थिक रफ्तार सुस्त होने के बीच भारत ने विदेशी निवेश प्राप्त करने का अब तक एक शानदार मुकाम हासिल किया है। विनिर्माता और निवेशक चीन का विकल्प तलाश रहे हैं और इस समय एशिया में अधिकांश निवेशकों को भारत से बेहतर कोई नहीं दिख रहा है। देश की अर्थव्यवस्था की चाल में लगातार सुधार और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) से अच्छा निवेश प्राप्त होने की बदौलत भारतीय शेयरों में तेजी दर्ज की जा रही है। देश में शेयर बाजार ने शानदार प्रदर्शन किया है। विदेशी निवेश की बदौलत भारत विश्व में नई परियोजनाओं की घोषणा करने वाला तीसरा देश बन गया है और अंतरराष्ट्रीय परियोजना वित्त सौदों में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। निश्चित रूप से देश का बढ़ता मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर देश में एफडीआई की बड़ी ताकत बन गया है। मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में चीन दुनिया में पहले स्थान पर है। साथ ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में भारत 456 अरब डॉलर विनिर्माण मूल्य के साथ दुनिया में पांचवें स्थान पर है तथा भारत नया विश्व मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की ओर अग्रसर है। भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को जिस तरह सुविधाओं के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है, उससे दुनिया भर के निवेशक भारत आने के लिए उत्सुक हैं। इस समय भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की सबसे बड़ी पांचवी अर्थव्यवस्था है। अब इसे तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने और भारत को विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए उद्योगपतियों के द्वारा अहम भूमिका निभाई जा रही है। हम उम्मीद करें कि इस वर्ष 2025 में सरकार प्रवासी भारतीयों और उनके विदेशी मित्रों से भारत के लिए अधिक एफडीआई प्राप्त करने के नए रणनीतिक प्रयास करेगी। साथ ही एफडीआई के लिए भारत को पसंदीदा देश बनाए जाने की बहुआयामी संभावनाओं को साकार करने के लिए सरकार और अधिक प्रयास करेगी।

दृष्टि कोण

बच्चों की परवरिश-दिशा पर हो व्यापक चिंतन

भारतीय बच्चों की परवरिश एक महत्वपूर्ण विषय है, जो उनके भविष्य को आकार देता है। बच्चों की परवरिश के दौरान उन्हें विभिन्न मूल्यों, संस्कारों और ज्ञान की प्राप्ति होती है। लेकिन जब वे युवा बन जाते हैं, तो वे अपने जीवन की दिशा के बारे में सोचने लगते हैं। आजकल के युवा अपने जीवन की दिशा के बारे में बहुत सोचते हैं। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन कई बार वे अपने जीवन की दिशा के बारे में सोचते समय भ्रमित हो जाते हैं। हम भारतीय बच्चों की परवरिश के बाद युवा किस दिशा में जाने के बारे में चर्चा करें, तो हम देखते हैं कि माता-पिता स्वयं संकुचित जीवन जीकर कम संसाधनों में जीवनयापन करके अपने बच्चों का जीवन बेहतर हो, इस बात के लिए चिंतित रहते हैं तथा अपनी अधिकांश कमाई बच्चों के भविष्य निर्धारण में खपाते हैं। साथ ही भारतीय बच्चों की परवरिश के दौरान उन्हें शिक्षा और करियर के बारे में बहुत जोर दिया जाता है। वे अपने माता-पिता और शिक्षकों से प्रेरणा लेते हैं और अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। आजकल के युवा अपने करियर के बारे में बहुत सोचते हैं। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में करियर बनाने की कोशिश करते हैं। लेकिन कई बार वे अपने करियर के बारे में सोचते समय भ्रमित हो जाते हैं और अपने जीवन को एक अलग ही दिशा में मोड़ लेते हैं, जहां से वापसी असंभव सी प्रतीत होती है। भारतीय बच्चों की परवरिश के दौरान उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में भी सिखाया जाता है। वे अपने माता-पिता और शिक्षकों से प्रेरणा लेते हैं और समाज की सेवा करने के लिए काम करते हैं। आजकल के अधिकतर युवा अपने समाज की सेवा करने के लिए बहुत काम करते हैं। वे विभिन्न सामाजिक कार्यों में शामिल होते हैं और समाज की सेवा करने के लिए काम करते हैं। वो तो ठीक है प्रशंसनीय है, मगर एक समय था जब ज्यादातर भारतीय माता-पिता अपने बच्चों के लालन-पालन से जुड़ी हर चिंता से तकरीबन मुक्त रहते थे। देश में जो नया मध्यवर्ग पिछले दो-ढाई दशक में तैयार हुआ है, वह अपने बच्चों के लालन-पालन, शिक्षा और भविष्य संबंधी तैयारियों से लेकर उनके लिए हर किस्म की सुख-सुविधाएं जुटाने के लिए काफी सक्रिय है। बच्चों को वह हर सहूलियत देना चाहता है, जो शायद उसे अपने बचपन में नहीं मिली, लेकिन इस चाहत ने अभिभावकों को न सिर्फ बेतहाशा खर्च का दबाव झेलने को मजबूर किया है, बल्कि ऐसे संकट भी पैदा कर दिए हैं जो जानलेवा भी साबित हो रहे हैं। कुछ समय पहले उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में आधी रात के बाद एक आलीशान कार में सवार छह युवा हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना को लेकर काफी कुछ कहा गया। जैसे किसी ने दूसरी कार से होड़ लेने, तो किसी ने पार्टी से लौटते इन युवाओं के शराब के नशे में होने और कार की रफ्तार ज्यादा होने के अंदाजे लगाए। दुर्घटना से जुड़े तथ्यों की जांच में हो सकता है कि आखिर में कोई सच सामने आए। मगर एक चीज को फिर भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, वह है परवरिश। आज की पीढ़ी की परवरिश कैसी है, इसे शायद ही किसी जांच में परखा जाता हो। मगर देर रात पार्टी, नशीले पदार्थों का सेवन, आधुनिक फोन और गैजेट से लेकर फैशनेबल कपड़ों और महंगी कारों के शौकीन अठारह से बाइस-चौबीस साल के नौजवानों को देख कर लगता है कि उनकी जिंदगी में कोई अभाव नहीं है। न उन्हें अपने भविष्य की चिंता है और न ही इसकी कोई फिक्र है कि अगर नौकरी नहीं मिली तो क्या होगा। जरूरी नहीं कि ऐसे दृश्य सिर्फ दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में आम हों। लखनऊ, चंडीगढ़, देहरादून, नोएडा, गुरुग्राम, हैदराबाद, हर मझोले और बड़े शहरों में करीब एक जैसी स्थिति दिखाई देती है। हिमाचल प्रदेश भी इन घटनाओं में शामिल है। शहरों में नए मध्यमवर्ग का एक हिस्सा ऐसा है जहां अभिभावक अपनी संतानों को महंगी से महंगी चीजें दिला रहे हैं।

कुछ अलग

रोजगार सृजन हो और महंगाई पर नियंत्रण

आज़ादी के बाद, संविधान द्वारा यह घोषणा की गई थी कि हम प्रजातांत्रिक तरीके से समाजवाद की स्थापना करेंगे, यानी अमीर-गरीब के भेद को मिटाएंगे। हालांकि, संविधान को अंगीकार करने के पौन सदी बाद भी यह भेद जस का तस बना हुआ है। देश में प्रगति तो हो रही है, लेकिन वह चंद धनकुबेरों की संपत्ति बनकर रह गई है। आज भी 10 प्रतिशत लोग देश की 90 प्रतिशत संपत्ति पर हावी हैं, जबकि 90 प्रतिशत लोग 10 प्रतिशत संपत्ति से अपना जीवन यापन कर रहे हैं। वर्ष 2047 तक देश को पूरी तरह से विकसित बनाने का लक्ष्य रखा है और यह सपना देखा है कि भारत विश्व गुरु बनेगा। वर्तमान सरकार के 11 वर्षों में हमने देश को दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बना दिया है और अगले वर्षों में तीसरी महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हैं। हालांकि, यह सपना है, पर क्या वास्तविकता में अमीर-गरीब का भेद मिट पाया है? क्या मेहनत करने वालों को रोजगार मिला है? और क्या वजह है कि हर संकट में गरीब और भी अधिक परेशान होता है, जबकि अमीर और भी समृद्ध हो जाते हैं। नए आंकड़े बताते हैं कि एशिया में सबसे अधिक खरबपति भारत में हैं। भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने का सपना बहुत आकर्षक है, लेकिन इसके लिए जीडीपी विकास दर 8-9 प्रतिशत के बीच रहनी चाहिए। हालांकि, 2024-25 के आर्थिक वर्ष की आखिरी तिमाही में जीडीपी विकास दर पिछले चार सालों में सबसे कम रही, जो 5.4 प्रतिशत तक गिर गई। इसका कारण महंगाई, शहरी मांग में कमी, महंगी वस्तुएं और घटती उपभोक्ता शक्ति बताई जा रही है। इसके अतिरिक्त, पूंजी निवेश में कमी और उत्पादकता में अवरोध भी आर्थिक मंदी के कारण बने। वर्ष 2023-24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की थी, जो दर्शाता है कि यदि सही नीतियां अपनाई जाएं, तो आर्थिक वृद्धि संभव है। आगामी बजट में वित्तमंत्री को इस मंदी का ध्यान रखते हुए ऐसे कदम उठाने होंगे जो निवेश को प्रोत्साहित करें, उत्पादकता बढ़ाएं, और रोज़गार के अवसर सृजित करें। इसके परिणामस्वरूप मांग में वृद्धि होगी और बाजारों में निरुत्साह की स्थिति को रोका जा सकेगा। कृषि, जो देश का प्रमुख क्षेत्र है और जिसमें 62 प्रतिशत श्रम लगा है, अब उसके जीडीपी योगदान में गिरावट आ रही है। कोविड महामारी के प्रभाव से शहरी औद्योगिक और उत्पादक क्षेत्रों से श्रम बल वापस ग्रामीण इलाकों में लौट आया है, और अब वे शहरों में काम करने के लिए तैयार नहीं हैं। आंकड़ों के अनुसार, 16 प्रतिशत श्रम बल कृषि से अन्य क्षेत्रों में गया था, लेकिन पिछले दस वर्षों में 19 प्रतिशत श्रम बल खेती में लौट आया है, जबकि खेती की उत्पादकता अन्य क्षेत्रों से कम है। सेवा क्षेत्र और पर्यटन ने जीडीपी में बड़ा योगदान दिया है, लेकिन रोजगार की संभावना सीमित है। सरकार के मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया और उत्पादन लिंक्ड इंसेंटिव योजनाओं के बावजूद पूंजी निर्माण की कमी के कारण ये योजनाएं सफल नहीं हो पाई। शहरी उपभोग में गिरावट के साथ ग्रामीण उपभोग में वृद्धि हुई है।

देश दुनीया से

आपातकालीन विसंगतियों के ज्वलंत प्रश्न

अब सबको पता है कि एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी शिरोमणि अकाली दल के सदस्य हैं और यह सिख संस्थान भी आरएसएस की भांति अपनी विधिवत स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मना रहा है, इस पर अभी भी काफी हद तक सुखबीर बादल के नेतृत्व वाली पार्टी का नियंत्रण है। आप कह सकते हैं कि एसजीपीसी के एक पदाधिकारी ने तर्कहीन ढंग से जरनैल सिंह भिंडरांवाले को 'महान' ठहराते हुए यह समझाने की कोशिश की है कि संस्थान कंगना की फिल्म का बहिष्कार क्यों कर रहा है-कदाचित 'सिखों को गलत रूप में पेश किया है' के नाम पर, क्योंकि फिल्म में भिंडरांवाले को श्रीमती गांधी से यह कहते हुए देखा गया है: 'अगर वे एक अलग राज्य देंगी, तो वह उन्हें सिखों की वोटें सुनिश्चित करवाएगा', दूसरे शब्दों में खालिस्तान- जो कि असली दुनिया में संभव नहीं है, जहां तथ्य और कल्पना स्पष्ट रूप से चिन्हित और अलहदा होते हैं और जाहिर है फिल्मों में काल्पनिक घटनाएं डाली होती हैं। लेकिन यह पंजाब है, एक ऐसा राज्य जिसका प्रदर्शन कुछ मापदंडों पर खास बुरा नहीं है- निश्चित रूप से यह खुद के लिए भोजन, कपड़े और शिक्षा का इंतजाम करने में पर्याप्त रूप से सक्षम है, वर्ना इसके शहर और गांव उत्तर प्रदेश और बिहार के प्रवासी मजदूरों से भरे न होते- लेकिन यहां अधिकांशतः तोड़ी-मरोड़ी राजनीतिक भावना इतनी हावी रहती है कि वास्तविकता उतनी होती नहीं जितनी प्रतीत होती है। सो यह व्यापक परिदृश्य कंगना-विरोध और उसकी फिल्म इमरजेंसी की मुखालफत के पीछे है। इसके कारक पांच सूत्र कहे जा सकते हैं। सबसे पहला यह कि कंगना एक ध्रुवीकरण करने वाली शख्सियत हैं, जो पूर्व में हुए और अब पिछले कई महीनों से चल रहे किसान आंदोलन की कटु आलोचना करती आई हैं, पिछले साल जून में सीएसआईएफ की एक महिला कांस्टेबल ने इसको कारण बताते हुए उन्हें थप्पड़ भी जड़ दिया था। दूसरा सूत्र, किसान आंदोलन फिर से जोर पकड़ने लगा है। किसान यूनियन के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की भूख हड़ताल जारी है, जिससे एक और 'मरजीवड़ा जत्था' तैयार हो गया, जिसका शाब्दिक अर्थ है आत्मबलिदानी, 111 किसानों की यह टोली अपनी मांगें मनवाने के लिए 'करो या मरो' की नीति के साथ, हरियाणा से होकर दिल्ली पहुंचने के लिए कृत संकल्प है। लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट है कि इस बार किसान पंजाब की नब्ज पर हाथ रखने में उतने सफल नहीं रहे, जैसा कि चार साल पहले कर पाए थे – दिल्ली की तो बात ही छोड़िए – तब प्रधानमंत्री मोदी को तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा था, यह एकमात्र ऐसा मौका था जिसने उन्हें अपने कहे से पीछे हटने को मजबूर किया था। डल्लेवाल का तथाकथित 'सत्याग्रह' आज विफल हो रहा है। सवाल मंशा को लेकर है। तीसरा, किसी को उम्मीद होगी कि किसानों के विरोध से लोगों को होने वाली परेशानी के फलस्वरूप कम से कम कुछ तो जमीन भाजपा की ओर खिसकेगी। इसके साथ ही, भाजपा को उम्मीद जगी है कि सिख किसानों और पंजाब के मध्य वर्ग की शहरों में बसने की ललक–जिसके तहत वे लुधियाना, जालंधर और

अमृतसर की कूड़े-कर्कट से भरी सड़कों वाले माहौल में रहने की बजाय कनाडा में बसना कहीं ज़्यादा बेहतर समझते हैं– इससे लोगों का झुकाव मोदी की और अधिक बनेगा। चौथा, यहीं पर भाजपा गच्चा खा गई। भले ही किसानों के विरोध के ढंग में सब कुछ गलत हो लेकिन फिर भी भाजपा को इससे कोई लाभ नहीं होने वाला। वास्तव में, स्थिति इसके ठीक उलट है। पंजाब की राजनीति कई दिशाओं में बिखरती लग रही है – आज तीन अकाली दल हैं, जिनमें खडूर साहिब से नए बने सांसद और कट्टरपंथी सिख नेता अमृतपाल की 'वारिस पंजाब दे' से लेकर सिमरनजीत सिंह मान के अकाली दल (अमृतसर) के अलावा बादल की पुरानी पार्टी शामिल है, जो कि खुद आंतरिक रूप से विभाजित है, भले ही इसके असंतुष्ट राजनेता अलग-अलग दलों में जा रहे हैं, ज्यादातर 'आप' में – लेकिन भाजपा में शामिल होने को अभी भी वर्जित माना जाता है। पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत बादल जैसे भाजपा उम्मीदवारों की या तो जमानत जब्त हो गई या वे हालिया उपचुनावों में अंतिम स्थान पर रहे। पांचवां सूत्र, यह सवाल कि क्यों पंजाब खुद को एक 'अलहदा ध्रुव' मानता है, जो ठीक उसका उलट करे जो करना दिल्ली को पसंद हो - 'अकाल तख्त' बनाम 'दिल्ली तख्त'? इसका उत्तर भी उतना ही सरल है। पंजाबियों का मानना है कि दिल्ली को इनकी परवाह नहीं है, अगर होती तो वह राज्य सरकार के साथ मिलकर इसकी अनेकानेक समस्याओं को ठीक करने में मदद करती – जिसमें धान और अब गेहूं की खरीद से लेकर ड्रोन एवं अन्य तरीकों से आते नशे की समस्या, कानून व्यवस्था की गिरती हालत और इसके अलावा गैंगस्टर-वाद और अन्य अनगिनत समस्याएं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण कारण जिसके लिए एसजीपीसी -और नाखुश पंजाबियों का एक बड़ा वर्ग- 'इमरजेंसी' की स्क्रीनिंग के खिलाफ है, वह यह है कि उन्हें डर है कि फिल्म पंजाब को देश और दुनिया के बाकी हिस्सों के सामने 'बुरे अक्स' में पेश करती है- जिसका मतलब है, आज वाले 'खालिस्तानी' भी भिंडरांवाले से कम बुरे नहीं हैं। उनकी सोच है कि इस फिल्म से बाकी भारत यह मान बैठेगा कि पंजाब आज उस भयानक दौर में फिर से वापस फिसल सकता है क्योंकि इसने एनएसए और यूएपीए कानून के तहत जेल में बंद एक कट्टरपंथी सिख के अलावा इंदिरा गांधी के हत्यारे के बेटे को सांसद चुना है – आशंकित करने के लिए इतना काफी है। विद्रोही होने तक तो बात ठीक है, लेकिन कट्टरपंथ? सच तो यह है कि बहुत कम लोग समझ सकते हैं कि कैसे उन भयानक वर्षों के दौरान पंजाब ने अपना नुकसान किया था (कोई आश्चर्य नहीं, आज कनाडा बैठों के इशारे पर) और अब वह दुःस्वप्न फिर से वापसी कर सकता है, तमाम उन रंगों में, पंजाब को जतलाने कि इसके साथ गलत क्या है। लोगों को निराश करने के लिए यह काफी है। अमृतसर से राजनीति शास्त्र के दो विशेषज्ञ जगरूप सिंह सेखों और परमजीत सिंह जज, जिन्होंने पिछले इन कई दशकों में पंजाब का पराभव देखा, वे मौजूदा व्याप्त दिशाहीनता का जिक्र करते हुए कहते हैं कि संस्थानों में विश्वास की कमी, कृषि संकट, अस्पष्ट भावी रोडमैप जैसे कारक हैं। सेखों ने कहा 'लोगों ने दिल छोड़ दिया है'।

आप का नजरीया

जाम में फंसे फासले

भारत सरकार ट्रैफिक जाम से निजात दिलाने के लिए एक नई योजना लेकर आ रही है, जिसके तहत आरंभिक तौर पर करीब सौ शहरों के परिवहन नक्शे बदले जाएंगे। इन शहरों में प्रवेश व निकास की सहूलियत के लिए रिंग रोड बाइपास बनाए जाएंगे। ट्रैफिक नियंत्रण की इस परियोजना में राज्यों की राजधानियां व प्रमुख शहर आएंगे, लेकिन आरंभिक दौर में हिमाचल का इस योजना में शामिल होना मुश्किल दिखाई दे रहा है। अभी हाल ही में बर्फबारी की सूचना मात्र ने अटल टनल के मार्ग पर पचास हजार वाहनों का अनथक जमावड़ा लगा दिया। इसी तरह भिन्न-भिन्न अवसरों पर हिमाचल के पर्यटक, धार्मिक एवं प्रशासनिक शहरों में ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या बन कर उभरी है। बेशक प्रधानमंत्री ग्रामीण सडक़ योजना के कारण हिमाचल के भीतरी हिस्सों में से गुजराना आसान हुआ है, लेकिन प्रमुख शहरों के फासले अब जाम में फंस रहे हैं। ऐसे में पर्वतीय ट्रैफिक नियंत्रण के लिए केंद्र को इस प्रदेश में अधिकतम रिंग रोड बनाने में उदारता दिखानी होगी। हिमाचल में ट्रैफिक नियंत्रण की ज्यादातर समस्या तो वन विभाग की अनापत्तियों को लेकर है। बढ़ते ट्रैफिक जाम से मुक्ति के लिए अगर वनापत्तियों से शीघ्र मुक्ति मिल जाए, तो परिवहन की सुविधा को संतोषजनक बनाने में सहूलियत मिलेगी। हिमाचल में सेब, सब्जी या फल सीजन को देखते हुए माल ढुलाई गलियारों के दृष्टिगत काम करना होगा। बेशक फोरलेन परियोजनाओं के अस्तित्व में आते कुछ राहत मिलेगी, लेकिन फोरलेन से जुड़ती जिला, राज्य व ग्रामीण स्तर की सडक़ों की स्थिति में सुधार की गुंजाइश है। प्रदेश में ट्रैफिक जाम से छुटकारा दिलाने की एक बड़ी कोशिश शिमला के महत्त्वाकांक्षी रज्जु मार्ग के मार्फत हो रही है और अगर इसी तर्ज पर कुछ अन्य शहर भी जुड़ें तो यह परिकल्पना कारगर सिद्ध होगी। हिमाचल के पर्यटक व धार्मिक स्थलों से दस किलोमीटर पहले ही महापार्किंग बना कर तमाम पर्यटक वाहन रोक देने चाहिएं। इसके आगे का सफर छोटे सार्वजनिक वाहनों से उपलब्ध कराया जाए या महापार्किंग स्थल से रज्जु मार्ग जोड़े जाएं। प्रमुख मंदिरों के परिसर से कुछ किलोमीटर दूर हटकर वाहन रोककर पूरी दर्शन व्यवस्था रज्जु मार्ग या इलेक्ट्रिक कार्ट के माध्यम से शुरू करनी होगी। बहरहाल हिमाचल के प्रमुख शहरों में सडक़ मार्गों का नया सर्वेक्षण अभिलषित है और इसी के तहत रिंग रोड बाइपास का नेटवर्क बनाना पड़ेगा। फोरलेन के आधार से नई सडक़ें या शहरों एवं पर्यटक स्थलों को जोड़ते मार्गों का विस्तार कुछ इस तरह से हो कि प्रवेश और निकास के छोर अलग-अलग हो जाएं। हिमाचल में निजी वाहनों के प्रति बढ़ता क्रेज तथा सैलानियों को लेकर आ रहे वाहनों के दबाव को देखते हुए केंद्र की ट्रैफिक जाम योजना में हिमाचल के अनेक शहरों को शामिल करना होगा। ट्रैफिक नियंत्रण के लिए वन भूमि के इस्तेमाल की छूट मिलनी चाहिए। प्रदेश के ग्रामीण स्तर से शहरों तक अब खुले मैदानों के विकास हेतु वन भूमि चाहिए। इसी के साथ सडक़ों से अव्यवस्थित बाजारों तथा वाहन वर्कशाप को हटाने के लिए भी जंगल से वैकल्पिक समाधान के लिए भूमि चाहिए।

लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण नहीं करने पर होगी कार्रवाई

जोधपुर (हिंस)। जिला स्तरीय अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन सोमवार को जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल की अध्यक्षता में मारवाड़ इंटरनेशनल सभागार में किया गया। बैठक में जिला कलक्टर ने अधिकारियों को विभिन्न योजनाओं और संपर्क पोर्टल के मामलों पर त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान राजस्थान संपर्क पोर्टल, ई फाइलिंग, सहित विभिन्न विभागों की समीक्षा की गई। अग्रवाल ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रकरणों का समयबद्ध त्वरित निस्तारण करें अन्यथा संबधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान जिला कलक्टर अग्रवाल ने पिछली जनसुनवाई में आए विभागवार प्रकरणों से संबंधित करणों की वास्तविक स्थिति को जानकर उनके निस्तारण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जनसुनवाई में दर्ज प्रकरणों को गंभीरता से लेकर संबंधित अधिकारियों को स्वयं उसकी मॉनिटरिंग कर उसका संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करने के लिए भी निर्देशित किया। जिला कलक्टर अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज. संपर्क पोर्टल पर दर्ज प्रकरणों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करें। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को राहत मिल सके। साथ ही, उन्होंने एक-एक कर प्रकरणों की वास्तविक स्थिति पर विस्तृत चर्चा कर उनकी प्रगति जानी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे लक्ष्य निर्धारित कर प्रकरणों का तय समयसीमा में निस्तारण करें। जिला कलक्टर अग्रवाल ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से संपर्क पोर्टल पर जन अभियोग निस्तारण की प्रगति एवं जिला स्तरीय जनसुनवाई प्रकरणों की समीक्षा, ई-फाईल औसत निस्तारण समय एवं पेंडिग फाइलस की समीक्षा, मुख्यमंत्री प्रकोष्ठ एवं वीआईपी प्रकोष्ठ में लंबित प्रकरण, आरएसएचए द्वारा प्राप्त अवाप्ति प्रकरणों की समीक्षा, आरयूआईडीपी, जेडिए, पीडब्ल्यूडी, नगर निगम के निर्माणाधीन कार्य प्रगति की समीक्षा, जल जीवन मिशन में हर घर जल योजना एवं पाइप लाइन कार्य के दौरान क्षतिग्रस्त सड़कों की समीक्षा, किसानों के कृषि कनेक्शन में जले हुए ट्रांसफार्मर के स्थान पर नवीन ट्रांसफार्मर लगाने की स्थिति की समीक्षा, पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति, विद्यालय परिसर के ऊपर से गुजर रही 33/11 केवी विद्युत लाइन एवं विद्यालयों में खेल मैदान व शौचालयों की समीक्षा, जिले में गौशालाओं की स्थिति एवं प्राप्त एव बकाया अनुदान की समीक्षा, विभिन्न विभागों से संबधित राज्य स्तरीय लंबित प्रकरणों की स्थिति सहित विभिन्न विषयों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम जवाहर चौधरी, अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वितीय सुरेन्द्र सिंह पुरोहित, उपखंड अधिकारी उतर आईएएस प्रशिक्षु रवि कुमार, आईएएस प्रशिक्षु अक्षत कुमार सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शंभू बॉर्डर से दिल्ली कूच नहीं करेंगे किसान

केंद्र से चंडीगढ़ के बजाए दिल्ली में जल्द बैठक की मांग

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के शंभू बॉर्डर से किसान अब मंगलवार को दिल्ली में कूच नहीं करेंगे। किसानों ने केंद्र सरकार से बैठक के लिए मिले न्यौते के बाद अपने कूच का फैसला टाल दिया है। उनके इस फैसले से यह साफ हो गया है कि अब किसान केंद्र सरकार के साथ बातचीत करने के लिए एक मंच पर आ सकते हैं। किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवण सिंह पंधेर ने सोमवार को शंभू बॉर्डर पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि फिलहाल दिल्ली कूच का फैसला टाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार 14 फरवरी से पहले बैठक करे। ये बैठक चंडीगढ़ की बजाए दिल्ली में होनी चाहिए। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गारंटी कानून समेत अन्य मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ने आज पंजाब-हरियाणा समेत देशभर में लोकसभा और राज्यसभा सांसदों के आवास का घेराव करने का ऐलान किया था। केंद्र से बातचीत का न्यौता मिलने के बाद एसकेएम ने कहा कि सभी किसान घेराव करने की बजाए ई-मेल के जरिए सांसदों को मांगों का ज्ञापन भेजें। 26 जनवरी को देशभर में ट्रैक्टर मार्च निकाले जाएंगे। एसकेएम नेता दर्शनपाल सिंह ने

कहा था कि सांसदों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक संदेश भेजने का प्रयास किया जाएगा, ताकि किसानों से जल्द बातचीत शुरू हो सके। केंद्र सरकार की ओर से 14 फरवरी को बातचीत का प्रस्ताव आने के बाद भी डल्लेवाल ने साफ कर दिया है कि वे एमएसपी पर गारंटी कानून लागू न होने तक कुछ नहीं खाएंगे और उनका अनशन जारी रहेगा। इस बीच किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का आमरण अनशन सोमवार को 56वें दिन भी जारी रहा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पटना में तबीयत बिगड़ी

जयपुर/पटना (हिंस)। विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी (77) की पटना में अचानक तबीयत खराब हो गई। देवनानी को सीने में दर्द की शिकायत के बाद पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। अब उनकी हालत ठीक है। उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। देवनानी को पीएमसीएच के इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी में भर्ती किया गया था। यहां उनकी हार्ट से जुड़ी जांचें की गईं। एंजियोग्राफी भी होनी थी, लेकिन उन्होंने पिछले साल ही एंजियोग्राफी करवाई थी, इसलिए एंजियोग्राफी से मना कर दिया। देवनानी शाम को आईजीआईसी अस्पताल से निकल गए। उन्होंने बाहर आकर कहा कि राजस्थान जा रहा हूं। एसिडिटी हो गई थी। दवाई लेने के लिए आया था। मेरी तबीयत ठीक है। इससे पहले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला देवनानी से मिलने शाम करीब साढ़े चार बजे हॉस्पिटल पहुंचे थे। आईजीआईसी के डायरेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि देवनानी की हालत ठीक है। उन्होंने एंजियोग्राफी से इनकार कर दिया। आगे का इलाज जयपुर में ही करवाएंगे। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला देवनानी से मिलने पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल पहुंचे और 30 मिनट बाद लौट गए। देवनानी पटना में विधानसभा अध्यक्षों के दो दिवसीय सम्मेलन (अखिल भारतीय पीठासीन सम्मेलन) में भाग लेने के लिए गए थे। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सम्मेलन का उद्घाटन किया था। सम्मेलन के दौरान अचानक देवनानी की तबीयत बिगड़ी। उन्हें तत्काल पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ले जाया गया। डॉक्टर ने उनकी हालत स्थिर बताई है। देवनानी के निजी सहायक ने हार्ट अटैक की पुष्टि नहीं की। पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. आईएस ठाकुर के मुताबिक वासुदेव देवनानी की तबीयत खराब हुई थी। इसके बाद उन्हें इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी में रेफर किया गया था। अभी उनकी हालत ठीक है। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने बताया कि सुबह देवनानी की तबीयत खराब हुई थी। उन्हें सीने में दर्द था। गैस की समस्या थी।

एनडीए के साथ मुकाबला करने के लिए इंडिया गठबंधन मजबूत : पायलट

उदयपुर (हिंस)। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि एनडीए के साथ मुकाबला करने के लिए इंडिया गठबंधन पहले भी मजबूत था और आज भी मजबूत है। इसमें कोई टूट नहीं है। पायलट सोमवार को उदयपुर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में चुनाव है। केजरीवाल सरकार को बहुत बार मौके दिल्ली की जनता ने दिए, केंद्र सरकार को कई मौके जनता ने दिए। पिछले 12 साल में दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार की वर्चस्व

की लड़ाई में दिल्ली की जनता पिस रही है। कांग्रेस पार्टी एक बेहतर विकल्प बनकर सामने आई है। हम लोगों ने जनता को कुछ गारंटी दी है। जब दिल्ली में शीला दीक्षित की कांग्रेस सरकार थी तब वहां जो विकास हुआ था जनता आज उसको याद कर रही है। उन्होंने कहा कि हम मजबूती से लड़ेंगे। कांग्रेस पार्टी का दिल्ली में अच्छा परफॉर्मेंस रहेगा। हमने इंडिया गठबंधन की शुरुआत की थीए तब राहुल गांधी, और खड़गे सब दलों को लोकसभा चुनाव में साथ लेकर आए थे और लोकसभा चुनाव के बहुत बेहतर परिणाम आए थे। एनडीए के साथ मुकाबला करने के लिए इंडिया गठबंधन पहले भी मजबूत था और आज भी मजबूत है।

सैन्य क्षेत्र में फोटो लेता ड्रोन घुसा, सेना ने कब्जे में लिया

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के अमृतसर में शादी समारोह की फोटोग्राफी के दौरान एक ड्रोन सैन्य क्षेत्र में दाखिल होने से अफरा-तफरी मच गई। सेना ने ड्रोन को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी है। अमृतसर के पुलिस थाना घरिंडा के अंतर्गत होटल ला फिएस्टा में शादी समारोह चल रहा था। इस होटल से सटा सैन्य क्षेत्र है। शादी के दौरान फोटोग्राफर का ड्रोन फोटो लेते हुए अचानक सैन्य क्षेत्र में प्रवेश कर गया। जिसे देख सैनिकों में अफरा-तफरी मच गई। ड्यूटी पर तैनात सैनिकों ने ड्रोन को गिराकर कब्जे में ले लिया।

जरूरत पड़ी तो अप्रैल में ट्रांसफर से बैन हटा सकती है सरकार : पटेल

जोधपुर (हिंस)। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा है कि भाजपा सरकार के शासन में कर्मचारियों के तबादले पूरी पारदर्शिता के साथ किए गए हैं। सरकारी कर्मचारी हमारे अपने हैं और जरूरत पडने पर सरकार अप्रैल में फिर से ट्रांसफर से बैन हटा सकती है। कैबिनेट मंत्री पटेल ने यह बात सोमवार को सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कही। पटेल ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के मुखिया ने अपने प्रदेश अध्यक्ष को लेकर नाकारा-निकम्मा जैसे शब्द काम में लिए। इतना ही नहीं उन्होंने शिक्षा मंत्री की मौजूदगी में आम शिक्षकों से पूछा कि क्या आप ट्रांसफर के लिए रिश्वत के पैसे देते हैं? इसका जवाब कांग्रेस को देना चाहिए। हमारी सरकार में किसी ने ट्रांसफर पर कोई आरोप नहीं लगाया है। पटेल ने कहा कि कांग्रेस सरकार हमारी सरकार पर सवाल उठा रही है लेकिन हमारी सरकार ने बजट घोषणाओं को धरातल पर लाने का काम किया है। बजट को लेकर वित्तीय स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को बंद करने के सवाल पर कानून मंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अंग्रेजी मीडियम स्कूल खोले, लेकिन शिक्षकों की भर्ती नहीं की जबकि प्रारंभिक स्तर से ही अंग्रेजी माध्यम के स्कूल को खोलना चाहिए था लेकिन कांग्रेस ने सिर्फ चुनाव के समय वाहवाही लूटने के लिए ही इन्हें शुरू किया। मंत्री पटेल ने कहा कि इतना ही नहीं पहले से ही चल रहे हिंदी मीडियम के स्कूलों पर अंग्रेजी मीडियम के बोर्ड लगा दिए गए। इसको लेकर जब हमने जांच करवाई तो 287 विद्यालय प्रदेश में ऐसे पाए गए जिनमें जीरो या दस से कम नामांकन थे। क्या ऐसे विद्यालय चलने चाहिए थे, लेकिन कांग्रेस ने इस तरफ कभी ध्यान नहीं दिया। इसकी समीक्षा की जा रही है।

भारतीय संस्कृति के दो निर्माता यज्ञ पिता गायत्री माता

जयपुर (हिंस)। आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में यजन-2025 के अंतर्गत नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ का आयोजन महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में संपन्न हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान में करीब 250 श्रद्धालुओं ने तीन पारियों में आहुतियां अर्पित कर पुण्य अर्जित किया। गायत्री तीर्थ शांतिकुंज, हरिद्वार से आए विद्वानों ने यज्ञीय जीवन पद्धति के महत्व पर प्रकाश डाला और यज्ञ में आहुतियां अर्पित करवाई। यजन-2025 का शुभारंभ गुरु वंदना के साथ हुआ। इसके बाद वेदमाता, देवमाता, विश्वमाता गायत्री, गोविंद देवजी और गुरू सत्ता का सोडशोपचार पूजन किया गया। अग्नि प्रज्ज्वलन के बाद गायत्री मंत्र, महामृत्युंजय मंत्र, सूर्य गायत्री और

यम गायत्री सहित विभिन्न मंत्रों के साथ विशिष्ट आहुतियां प्रदान की गईं। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने ठाकुरजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर यज्ञ का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर रोग मुक्ति और पितरों के कल्याण की कामना के साथ विशिष्ट मंत्रों का उच्चारण किया गया। यज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं को श्रेष्ठ पुस्तकों के स्वाध्याय के लिए प्रेरित किया गया। अखंड ज्योति, युग निर्माण योजना जैसी प्रेरक पुस्तकें नि:शुल्क भेंट की गईं। साथ ही, गायत्री परिवार के संस्थापक पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा लिखित पुस्तकों का स्टॉल लगाया गया, जहां सद् साहित्य को लागत मूल्य पर उपलब्ध कराया गया। आचार्य पीठ के दिनेश आचार्य ने *हमने आंगन नहीं बुहारा कैसे आएंगे भगवान* प्रज्ञागीत प्रस्तुत कर मन की शुद्धि का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जब तक हम अपने मन रूपी आंगन को दोष, दुर्गुण और दुर्भावनाओं से मुक्त नहीं करेंगे, भगवान हमारे हृदय में प्रकट नहीं होंगे। गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी के सह व्यवस्थापक मणिशंकर चौधरी ने यज्ञ को सत्कर्म का प्रतीक बताते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के दो निर्माता हैं- यज्ञ पिता और गायत्री माता। यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ श्रद्धालुओं ने एक बुराई छोड़ने और एक अच्छाई ग्रहण करने का संकल्प लिया। अगला नौ कुंडीय गायत्री महायज्ञ 26 जनवरी को सुबह 9 से 11 बजे तक आयोजित होगा।

कांग्रेस ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान की हमेशा अनदेखी की : केशव प्रसाद मौर्य

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस ने नेहरू-गांधी परिवार के लिए बड़े-बड़े स्मारक बनाए और प्रत्येक को 50 एकड़ भूमि समर्पित की। जबकि डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान की हमेशा अनदेखी की। कांग्रेस को दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों की सबसे बड़ी दुश्मन बताते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पं. जवाहर लाल नेहरू ने हिन्दू कोड बिल पास करने के प्रति कभी प्रतिबद्धता नही दिखाई। भाजपा नेतृत्व के निर्देश पर संविधान गौरव अभियान के तहत सिगरा गुलाबबाग स्थित पार्टी कार्यालय में उपमुख्यमंत्री मीडिया कर्मियों से रूबरू हुए। उन्होंने संविधान और आरक्षण को लेकर हमलावर कांग्रेस सहित विरोधी दलों पर जमकर निशाना साधा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने ही आरक्षण देने को लेकर सबसे पहले विरोध किया था। वर्ष 1961 में पं. नेहरू ने तत्कालीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर आरक्षण का विरोध जताया था। और दावा किया था कि आरक्षण से अकुशलता और

निम्न स्तर की स्थिति पैदा होगी। मंडल कमीशन की सिफारिशों को इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की सरकार ने लागू करने में देरी की। दलित मुद्दों को दरकिनार कर कांग्रेस ने मुसलमानों को खुश करने के लिए ध्यान केंद्रित किया था। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद उनके नाम पर स्मारक बनाने की मांग कांग्रेस कर रही है। उसे आत्ममंथन करना चाहिए कि भारत के सबसे प्रगतिशील प्रधानमंत्री में एक पीवी नरसिंहाराव के साथ उनके निधन के बाद कैसा व्यवहार किया। उनके पार्थिव शरीर को कांग्रेस मुख्यालय में प्रोटोकॉल के तहत निर्धारित स्थान देने से इंकार कर दिया गया। स्व. नरसिंहाराव का अनादर कांग्रेस की अवसरवादी राजनीति का प्रतिबिंब है। उन्होंने बताया कि भाजपा ने डॉ. अंबेडकर के विरासत का हमेशा सम्मान किया है। वर्ष 1990 में भाजपा समर्थित सरकार ने ही भारत के कानूनी और सामाजिक ढांचे को आकार देने में उनकी अद्वितीय भूमिका को मान्यता देते हुए उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया था। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने लगातार डॉ. अंबेडकर के योगदान का सम्मान करने का काम किया है। इस सम्बंध में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यों का भी उपमुख्यमंत्री ने विस्तार से बिंदूवार उल्लेख किया। बताया कि उनकी विरासत को आने वाली पीढ़ियों के लिए सरंक्षित किया जा रहा है। डॉ. अंबेडकर के जीवन से जुड़ी पॉच प्रमुख स्थलों की पहचान कर उन्हें पंचतीर्थ के रूप में विकसित किया गया हैं। आज भाजपा संविधान गौरव दिवस मना रही है। इसके लिए वाराणसी में संविधान गौरव अभियान विशाल जनसभा का आयोजन किया जाएगा। इसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भाग लेंगे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रोहनिया स्थित पार्टी के क्षेत्रीय कार्यालय में संविधान गौरव अभियान के तहत *मेरा संविधान-मेरा स्वाभिमान* विषयक संगोष्ठी में भी भाग लिया। एक दिवसीय वाराणसी दौरे में आए प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने चंदौली के पूर्व भाजपा सांसद स्मृतिशेष आनंदरत्न मौर्य की चिरईगांव में लगी प्रतिमा का अनावरण भी किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने पूर्व सांसद के सहज व्यक्तित्व और योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद के परिजन भी मौजूद रहे।

अब अंग्रेजी नहीं, सनातनी घड़ी में देखिए समय

महाकुंभ नगर (हिंस)। संगम की धरती पर विश्व का सबसे बड़ा मेला महाकुंभ चल रहा है। गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम के अलावा ज्ञान, अध्यात्म और संस्कृति का भी मिलन हो रहा है। इन मिलन के अलावा संगम की धरती पर वैदिक और आधुनिक गणित की दो धाराओं का संगम एक घड़ी में माध्यम से हो रहा है। यह घड़ी एक पौराणिक मापक इकाई है, जो पहर, मुहूर्त और घटी के साथ ही सेकेंड, मिनट और घंटा में भी समय बता रही है। इस घड़ी से यह भी पता चलेगा कि किस काल में किस देव का अंश प्रधान रहेगा, अर्थात शुभ मुहूर्त क्या होगा? प्रमुद घटिका प्राचीन भारतीय काल गणनाप्राचीन भारतीय काल गणना को आधुनिक समय से जोड़ने के लिए, एक अनोखी घड़ी प्रमुद घटिका का निर्माण किया गया है, जो प्राचीन भारतीय काल गणना को आधुनिक समय से जोड़ती है। प्रयागराज निवासी पवन श्रीवास्तव ने कई वर्षों के शोध, अध्ययन और परिश्रम से *प्रमुद घटिका* नाम से घड़ी बनाई। यह घड़ी मेले में त्रिवेणी बाजार में श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित कर रही है। यहां *प* को पहर, *मु* को मुहूर्त और *द* को दंड या घटी के लिए प्रयुक्त किया है। पवन कहते हैं कि पौराणिक काल में घड़े में एक दंडनुमा रेखा खींचते थे, जिस पर जलबिंदु गिरता था। पवन श्रीवास्तव ने कहा कि हमें अपनी प्राचीन धरोहर को आधुनिक समय के साथ जोड़ने का प्रयास

करना चाहिए। यह घड़ी एक छोटा सा प्रयास है इस दिशा में हमें उम्मीद है कि यह घड़ी लोगों को प्राचीन भारतीय काल गणना के बारे में जानने और समझने में मदद करेगी। पवन श्रीवास्तव ने बताया कि प्रमुद घटिका एक अहोरात्र यानि एक दिन के 24 घंटे में 60 घटी, 30 मुहूर्त और आठ पहर को दर्शाती है, इस घड़ी का उद्देश्य प्राचीन भारतीय काल गणना को आधुनिक समय के साथ जोड़ना और युवाओं और आम जनमानस को इसके बारे में जागरूक करना है।

चीफ पीएमजी ने किया बराह मूर्ति का डाक टिकट जारी, नवादा में खुशी

नवादा (हिंस)। डाक विभाग के बिहार राज्य के मुख्य डाक महाध्यक्ष अनिल कुमार ने सोमवार को वारिसलीगंज शहर के बाइपास स्थित बाबा मैरेज हॉल में अपसढ़ ग्राम विरासत के भगवान विष्णु के अवतार प्रसिद्ध बराह मूर्ति व पार्वती पहाड़ पर डाक टिकट जारी किया। डाक विभाग के प्रधान अनिल कुमार ने कहा कि वैदिक काल से ही चली आ रही अपसढ़ ग्राम विरासत की महत्ता हमारी संस्कृतियों से जुड़ी है। डाक विभाग ने भगवान विष्णु के अवतार बराह पर डाक टिकट जारी कर इसकी महत्ता को और जीवंत बना दिया है। नालंदा विश्वविद्यालय से भी प्राचीन अपसढ़ ग्राम विरासत में शिक्षा व्यवस्था थी। जिस यूनिवर्सिटी में भारत के अलावा दूसरे देशों के विधार्थी भी यहां अध्ययनरत थे। उस समयकाल में तत्कालीन शासक आदित्यसेन व उनकी पत्नी कोन देवी का विकसित सोच, इसी बात को उजागर करता है कि उस समय काल में शिक्षा के प्रति उनका विकसित सोच था। कार्यक्रम में मौजूद क्षेत्रीय विधायक अरुणा देवी ने कहा कि अपसढ़ ग्राम विरासत स्थित भगवान विष्णु के अवतार बराह प्रतिमा पर डाक टिकट जारी ऐतिहासिक कदम की आधारशिला रखी है। जिसे सदियों तक भूला नहीं जा सकता है। डाक विभाग और खासकर डाक विभाग के मुख्य डाकमहाध्यक्ष अनिल कुमार ने जीवन पर्यंत ऐतिहासिक धरोहर को संजोने का काम किया है। अपने कार्यकाल के अंतिम पायदान पर रहने के बावजूद कार्य में कोताही नहीं बरतना, सचमुच इनका बेहतर सोच को दर्शाता है।

विधायी निकायों की बैठकों की घटती संख्या चिंता का विषय

पीठासीन अधिकारी हल करने का करें प्रयास : ओम बिरला

पटना (हिंस)। बिहार विधानसभा में चल रहे 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों के दो दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधायी निकायों की बैठकों की घटती संख्या पर चिंता व्यक्त की। साथ ही उन्होंने पीठासीन अधिकारियों से इस मुद्दे को हल करने के लिए प्रयास करने का आग्रह किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विधानसभाओं की बैठकों की घटती संख्या हमारे लिए चिंता का विषय है। यह 1954 में एक चुनौती थी और यह आज भी जस की तस बनी हुई है। उन्होंने दिल्ली विधानसभा का उदाहरण देते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा ने अपने पूरे पांच साल के कार्यकाल में मात्र 74 बैठकें की हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने संसद और राज्य विधानसभाओं में योजनाबद्ध व्यवधानों की भी निंदा की और राजनीतिक दलों से सदन की गरिमा बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने का आग्रह किया। ओम बिरला ने कहा कि संविधान ने सहकारी संघवाद की अवधारणा को अपनाया है। उन्होंने कहा कि देश की अधिकांश विधानसभाएं कागज रहित और डिजिटल हो गई हैं, ताकि सभी बहसों को एक मंच पर लाया जा सके। वर्ष 2025 तक सभी चीजें एक मंच पर उपलब्ध होंगी। अब समय आ गया है कि अन्य लोकतांत्रिक निकायों जैसे पंचायत राज संस्थाओं, शहरी स्थानीय निकायों और सहकारी

समितियों को भी इसमें शामिल किया जाए और राज्य ऐसा कर सकते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभाओं को सार्थक और परिणामोन्मुखी चर्चाओं का स्थान होना चाहिए और इसके लिए सभी राजनीतिक दलों को एक साथ आकर अपने-अपने दलों के लिए आचार संहिता बनानी चाहिए, ताकि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद लोगों की व्यापक भलाई के लिए अच्छी मिसाल कायम की जा सके। बिरला ने कहा कि सदनों की गरिमा उसके सदस्यों की गरिमा पर निर्भर करती है और इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। सदस्यों के लिए क्षमता निर्माण होना चाहिए। सार्थक चर्चा के लिए अधिक जगह बनाने के लिए व्यवधानों और स्थगनों की संख्या कम की जानी चाहिए और पीठासीन अधिकारियों को सभी राजनीतिक दलों के साथ इस पर चर्चा करनी चाहिए। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान गरिमा बनाए रखी जानी चाहिए।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को दिसंबर तिमाही में 959 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में बैंक का मुनाफा 33 फीसदी बढ़कर 959 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 718 करोड़ रुपये रहा था।

सेंट्रल बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि तीसरी तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 9,739 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 9,139 करोड़ रुपये थी।

इस दौरान बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 8,509 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7,809 करोड़ रुपये थी। बैंक का परिचालन लाभ बढ़कर 1,963 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,931 करोड़ रुपये था। इसके अलावा परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) पिछले वित्त वर्ष के 4.50 फीसदी से घटकर 31 दिसंबर, 2024 के अंत में कुल कर्ज का 3.86 फीसदी रह गईं।

वहीं, शुद्ध एनपीए भी पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में 1.27 फीसदी से घटकर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 0.59 फीसदी हो गए हैं।

बैंक ने कहा कि उसे फ्यूचर जनरल इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआईआईसीएल) में फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफईएल) की 24.91 फीसदी हिस्सेदारी और फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआईएलआईसीएल) में एफईएल की 25.18 फीसदी हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए 15 अक्टूबर, 2024 को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी मिल गई है।

न्यूज ब्रीफ

श्वेत वस्तुओं के लिए पीएलआई योजना के तहत 24 कंपनियों का हुआ चयन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने व्हाइट गुड्स (श्वेत वस्तुओं) उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तीसरे दौर में 24 कंपनियों का चयन किया है, जिसमें कुल 3 निवेश प्रतिबद्धता 3,516 करोड़ रुपये है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीटीआईआई) ने व्हाइट गुड्स के लिए पीएलआई योजना के तीसरे दौर में 24 कंपनियों का चयन किया है, जिनकी कुल निवेश प्रतिबद्धता 3,516 करोड़ रुपये है। इसमें 18 नए आवेदकों के लिए 2,299 करोड़ रुपये और छह मौजूदा लाभार्थियों के लिए अतिरिक्त 1,217 करोड़ शामिल रुपये हैं। पीएलआई योजना के ऑनलाइन आवेदन विंडो के तीसरे दौर में कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों की समीक्षा के बाद सरकार ने 18 नई कंपनियों का अनंतिम रूप से चयन किया है। इन कंपनियों में एयर कंडीशनर के कलपुर्जों के 10 निर्माता और एलईडी लाइट के 8 निर्माता शामिल हैं, जिन्होंने 2,299 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक 6 मौजूदा पीएलआई लाभार्थियों को उच्च निवेश श्रेणियों में अपग्रेड करने के लिए अनंतिम रूप से चुना गया है, जिससे 1,217 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश होगा। दो मौजूदा आवेदकों सहित 13 आवेदकों को जांच और उसकी सिफारिशों के लिए विशेषज्ञों की समिति (सीओई) के पास भेजा जा रहा है। आवेदकों का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पीएलआई योजना से पूरे भारत में एसी और एलईडी लाइट के कलपुर्जों के उत्पादन को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

पेटीएम को तीसरी तिमाही में 208.5 करोड़ रुपये का घाटा

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली फिनटेक फर्म वन97 कम्युनिकेशंस का 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही में घाटा कम होकर 208.5 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में उसे 221.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। कंपनी ने सोमवार को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में उसका समेकित घाटा कम होकर 208.5 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में पेटीएम को 221.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। तीसरी तिमाही में पेटीएम की परिचालन आय 35.8 प्रतिशत घटकर 1,827.8 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 2,850.5 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी के राजस्व में 10 फीसदी की वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने अगस्त 2009 में पेटीएम पेमेंट ऐप लॉन्च किया था। इसके फाउंडर विजय शेखर शर्मा हैं। फिलहाल देश में पेटीएम के 30 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। पेटीएम का मार्केट कैप करीब 28 हजार करोड़ रुपये है।

अरबपतियों की संपत्ति 2024 में 2000 अरब डॉलर तक बढ़ीः रिपोर्ट

दावोस। विश्व भर में अरबपतियों की संपत्ति पिछले साल 2024 में 2000 अमेरिकी डॉलर बढ़कर

15,000 अमेरिकी डॉलर हो गई जो 2023 की तुलना में तीन गुना अधिक है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक से पहले सोमवार को रिपोर्ट यहां जारी की गई। रिपोर्ट ने अरबपतियों की संपत्ति में भारी उछाल और गरीबों की संख्या में 1990 के बाद से कोई खास बदलाव नहीं आने की तुलना की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 में एशिया में अरबपतियों की संपत्ति में 299 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। साथ ही उसने अनुमान लगाया कि अब से एक दशक के भीतर कम से कम पांच खरबपति होंगे। वर्ष 2024 में अरबपतियों की सूची में 204 नए लोग शामिल हुए। औसतन हर सप्ताह करीब चार नाम इसमें शामिल हुए। इस वर्ष केवल एशिया से 41 नए अरबपति सूची में शामिल हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लोबल नॉर्थ के सबसे अमीर एक प्रतिशत लोग 2023 में वित्तीय प्रणालियों के जरिये 'ग्लोबल साउथ' से प्रति घंटे तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर हासिल करेंगे।

शुरुआती दबाव के बाद शेयर बाजार में आई मजबूती सेंसेक्स और निफ्टी ने निचले स्तर से की रिकवरी

नई दिल्ली

पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों और कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजे से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार ने बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया। के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से शेयर बाजार गिर कर कुछ देर के लिए लाल निशान में भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.59 प्रतिशत और निफ्टी 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

के कारोबार के बाद ज्यादातर इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। कैपिटल गुड्स, पीएसई, टेलीकॉम, बैंक और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और ऑटोमोबाइल सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.82 प्रतिशत की तेजी के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 431.58 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 428.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.86 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,228 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,503 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,557 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 168 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,587 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,662 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 925 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 359.20 अंक उछल कर 76,978.53 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक पहले आधे घंटे में ही गिर कर लाल निशान में 76,584.84 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे दोपहर 1 बजे के करीब ये सूचकांक 699.61 अंक की तेजी के साथ 77,318.94 अंक के स्तर पर पहुंच गया। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 454.11 अंक की मजबूती के साथ 77,073.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 87.20 अंक की तेजी के साथ 23,290.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 32.55 अंक की कमजोरी के साथ 23,170.65 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक दिन के दूसरे सत्र में 187.90 अंक की मजबूती के साथ 23,391.10 अंक के स्तर तक पहुंच गया। इस तेजी के बाद बाजार में मामूली मुनाफा वसूली भी हुई, जिसके कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 45 अंक टूट कर 141.55 अंक की बढ़त के साथ 23,344.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से कोटक महिंद्रा 9.21 प्रतिशत, विप्रो 6.49 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 3.59 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 3.25 प्रतिशत और एनटीपीसी 3.04 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 2.65 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 2.04 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 1.86 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 1.27 प्रतिशत और एचडीएफसी लाइफ 1.27 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

स्टॉक मार्केट में लक्ष्मी डेंटल की जोरदार एंट्री, 23 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए शेयर

नई दिल्ली

डेंटल प्रोडक्ट्स की डिजाइनिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग करने का काम करने वाली कंपनी लक्ष्मी डेंटल के शेयरों की स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 428 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर ये शेयर 528 रुपये के स्तर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 542 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 23 प्रतिशत से अधिक का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 584 रुपये के स्तर तक पहुंचा। दोपहर 11 बजे ये शेयर 561.95 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 31.53 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। लक्ष्मी डेंटल का 698.06 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 15 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 114.14 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 110.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 147.69 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 75.10 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 138 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,30,85,467 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज चुकाने नई मशीनरी की खरीदारी करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में इसे 18.68 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में घट कर 4.16 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके बाद 2023-24 में कंपनी को 25.23 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ।

देश की पहली प्रोटोटाइप एयर टैक्सी आटो एक्सपों में हुई पेश

एसपीईईडी ने बेंगलुरु स्थित सरला एविएशन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली

देश की पहली प्रोटोटाइप एयर टैक्सी को भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में पेश किया गया। इस टैक्सी का नाम शून्य रखा गया है। इस लक्ष्य के लिए प्रिसिजन मैन्युफैक्चरिंग फर्म सोना एसपीईईडी ने बेंगलुरु स्थित सरला एविएशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। सरला एविएशन भारत के सबसे बेहतरीन इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग (ईवीटीओएल) विमान विकसित करती है। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने सरला एविएशन बूथ का दौरा किया और उड़ने वाली टैक्सी के प्रोटोटाइप में दिलचस्पी दिखाई और इसे ऐतिहासिक बताया। सोना एसपीईईडी मोटर्स इसरो के कई अंतरिक्ष मिशनों का हिस्सा रही है। यह समझौता सोना एसपीईईडी को देश में अर्बन एयर मोबिलिटी में क्रांति लाने में एक प्रमुख भागीदार के रूप में स्थापित करता है।

सोना एसपीईईडी के एक अधिकारी ने कहा कि यह साझेदारी एयरोस्पेस इनोवेशन के हब रूप में सोना एसपीईईडी के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य साथ मिलकर शहरी परिवहन के लिए एक स्वच्छ, तेज और अधिक कुशल भविष्य को आकार देना है। समझौता ज्ञापन के तहत, सोना एसपीईईडी कर्नाटक में अपनी अत्याधुनिक फैसिलिटी का इस्तेमाल सरला एविएशन के ईवीटीओएल विमान के लिए मोटर और लैंडिंग गियर जैसे क्रिटिकल कम्पोनेंट्स को डिजाइन और निर्माण करने के लिए करेगी। सरला एविएशन के अधिकारी ने कहा कि इंजीनियरिंग में सोना एसपीईईडी की विशेषज्ञता इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सियों के लिए हमारे दृष्टिकोण को पूरी तरह से पूरा करती है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 81,250 रुपये से लेकर 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 74,490 रुपये से लेकर 74,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 96,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 81,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 74,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की

रिटेल कीमत 81,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 74,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 74,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 81,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 74,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 81,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 74,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 81,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 74,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे थे। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण के पहले पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए थे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,996.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह नैस्डेक ने 288.72 अंक यानी 1.49 प्रतिशत उछल कर 19,627.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया था। मार्टिन लूथर किंग

जूनियर डे होने के कारण अमेरिकी बाजार में कारोबार नहीं होगा।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए थे। एफटीएसई इंडेक्स 113.32 अंक यानी 1.33 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,505.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,709.75 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 248 अंक यानी 1.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 20,903.39 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.11 प्रतिशत फिसल कर 23,212 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,808.59 के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 103.96 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,252.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

हेज फंड्स के साथ कथित मिलीभगत के चलते भड़क गई रिसर्च कंपनी

वाशिंगटन

कनाडा के एक पोर्टल ने दायर दस्तावेजों में दावा किया है कि हेज फंड्स के साथ कथित मिलीभगत के आरोपों के चलते नैट एंडरसन और हिंडनबर्ग रिसर्च ने कंपनी को बंद करने की घोषणा की है। हेज फंड्स जो विभिन्न प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं, निवेशकों के बीच भरी प्रतिष्ठा रखते हैं।

दायर दस्तावेजों में स्पष्ट हुआ कि नैट एंडरसन और एन्सन के बीच ईमेल के माध्यम से साझा हुआ रिसर्च, हिंडनबर्ग की नकारात्मक रिपोर्ट की तैयारी में एन्सन की अहम भूमिका थी। दायर दस्तावेजों के मुताबिक एन्सन हेज फंड के प्रमुख ने स्वीकारा कि उनकी कंपनी ने हिंडनबर्ग रिसर्च को सहायता प्रदान की थी। वहां कनाडाई पोर्टल मार्केट फ्रॉड्स द्वारा आरोप लगाया गया है कि एन्सन ने अपने फंड्स के निर्देशों का अनुसरण

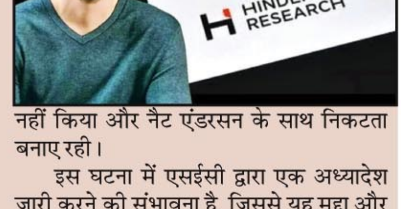

नहीं किया और नैट एंडरसन के साथ निकटता बनाए रही।

इस घटना में एसईसी द्वारा एक अध्यादेश जारी करने की संभावना है, जिससे यह मुद्दा और भी ज्यादा उतार-छूट पा सकता है। नैट एंडरसन और उनकी कंपनी के खिलाफ के कोर्ट की निर्णय से उनकी दिन-ब-दिन बिगड़ती चारित्रिक अवस्था को ध्यान में रखते हुए, नैट एंडरसन के भविष्य की किल-किल कायम है।

स्की जंपिंग विश्व कप : त्शोफेनिग ने पुरुष वर्ग का जीता खिताब

वारसॉ

ऑस्ट्रिया के डेनियल त्शोफेनिग ने रविवार शाम पोलैंड के जाकोपेन में आयोजित एफआईएस स्की जंपिंग विश्व कप में पुरुषों की व्यक्तिगत एचएस 140 स्पर्धा का खिताब जीत लिया है।

पहले राउंड के बाद ऐसा लग रहा था कि स्लोवेनिया के एन्ज़े लैनिसेक ट्रॉफी जीत लेंगे क्योंकि उन्होंने 145 मीटर की छलांग लगाकर स्पष्ट बढ़त हासिल कर ली थी। हालांकि, अंतिम राउंड में, 28 वर्षीय खिलाड़ी केवल 130 मीटर ही बना पाए और चौथे स्थान पर पोडियम से चूक गए।

हालांकि इसके बाद त्शोफेनिग ने अपना मौका भुनाया। पहले राउंड में 136 मीटर की छलांग लगाने के बाद, ऑस्ट्रियाई खिलाड़ी ने 139.5 मीटर की छलांग लगाकर 316.7 अंकों के साथ प्रतियोगिता जीत ली।

नॉर्वे के जोहान आंद्रे फ़ोरफ़ैंग ने 137 मीटर और 136 मीटर की छलांग लगाकर रजत पदक जीता, जो विजेता से 7.3 अंक कम था। ऑस्ट्रिया के जान होर्ल 136 मीटर और 140 मीटर की छलांग लगाकर 309.3 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता के बाद, त्शोफेनिग ने स्वीकार किया कि ज़कोपेन में विल्का क्रोकिव पहाड़ी पर उनकी जीत उनके लिए भी एक आश्चर्य थी।

उन्होंने कहा, लैनिसेक ने पहली छलांग बहुत अच्छी लगाई और मुझे पता है कि वह दबाव में बहुत अच्छा प्रदर्शन कर सकता है। इसलिए, मुझे वास्तव में नहीं लगा कि मेरे पास जीतने का मौका है। मैं बस अपना काम करने के लिए, अपनी छलांग लगाने के लिए स्वतंत्र था। इससे मुझे वास्तव में इस परिणाम तक पहुँचने में मदद मिली। सीज़न के विश्व कप में अपनी पाँचवीं जीत के बाद, त्शोफेनिग ने 1056 अंकों के साथ सामान्य वर्गीकरण में अपनी बढ़त को बढ़ाया। उनके हमवतन होर्ल 976 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि जर्मनी के पियुस पास्के 848 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

शमी अभ्यास सत्र में पैर में पट्टी बांधे दिखे

कोलकाता। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 क्रिकेट सीरीज के लिए लगाये अभ्यास सत्र के दौरान लंगड़ाते हुए गए ड्रेसिंग रूम की ओर जाते दिखे। शमी को पैर पर पट्टी बांधे देखा गया और वो लंगड़ाकर ड्रेसिंग रूम की ओर जा रहे थे। भारतीय टीम को 22 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इसमें शमी की फिटनेस की जांच भी हो जाएगी। शमी को अगले माह होने वाली चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भी टीम में शामिल किया गया है। ऐसे में उनकी फिटनेस पर चयन समिति की भी नजरें रहेंगी। शमी जिस प्रकार से अभ्यास के दौरान असहज नजर आये उससे उनकी फिटनेस पर सवाल उठने लगे हैं। शमी एक साल से भी अधिक समय से टीम से बाहर हैं। साल 2024 के पूरे सत्र में वह टखने की चोट के कारण नहीं खेल पाये थे। गत वर्ष नवंबर में बंगाल की ओर से घरेलू क्रिकेट में उनकी सफल वापसी हुई। इसी को देखते हुए चयनकर्ताओं ने शमी को इंग्लैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी से पहले मैदान में उतारा।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025: जैनिक सिनर ने होल्गर रून को हराकर क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

मेलबर्न। डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर ने सोमवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने रॉड लेवर एरेना में खतरनाक डेन होल्गर रून के खिलाफ 6-3, 3-6, 6-3, 6-2 से जीत हासिल कर अंतिम 8 में प्रवेश किया। सिनर को उमस भरी परिस्थितियों में संघर्ष करना पड़ा, उनका हाथ काँप रहा था और मेडिकल टाइमआउट के लिए कोर्ट छोड़ने से पहले तीसरे सेट में उनकी हृदय गति धीमी हो गई थी। जीत के बाद सिनर ने कहा, यह निश्चित रूप से बहुत ही कठिन था। मैंने मानसिक रूप से वहां रहने की कोशिश की, मैंने अपने सर्विस गेम से जुड़े रहने की कोशिश की और अपने रिटर्न गेम में देखता रहा कि क्या होता है। अंतिम 8 में सिनर का सामना ने आठवीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर, या तेजी से उभरते युवा अमेरिकी एलेक्स मिशेलसन से हो सकता है।

तेजस शिरसे ने सीएमसीएम लक्ज़मबर्ग इंडोर मीटिंग में 60 मीटर बाधा दौड़ का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

नई दिल्ली। भारत के तेजस शिरसे ने सीएमसीएम लक्ज़मबर्ग इंडोर मीटिंग में पुरुषों की 60 मीटर बाधा दौड़ हीट में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने प्रारंभिक दौर में 7.65 सेकंड का समय निकाला और सिद्धांत थिंगलाया द्वारा निर्धारित 7.70 सेकंड के पिछले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया और फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। फाइनल में, 22 वर्षीय खिलाड़ी ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की और कुल मिलाकर पांचवें स्थान पर रहे, पोलिश एथलीट जैकब सिजमान्स्की ने 7.41 सेकंड के समय के साथ पहला स्थान हासिल किया। पिछले साल, शिरसे ने फ़िनलैंड के ज्यवास्किला में वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर (चैलेंजर स्तर) बैठक में पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया था। उन्होंने फाइनल जीतने के लिए 13.41 सेकंड का समय लिया और 2017 में थिंगालाया द्वारा बनाए गए 13.48 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

डैनी ओल्मो चोटिल, बेनफिका के खिलाफ चैंपियंस लीग मैच से बाहर

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना को चैंपियंस लीग में मंगलवार को बेनफिका के खिलाफ महत्वपूर्ण मुकाबले में मिडफील्डर डैनी ओल्मो के बिना उतरना होगा। क्लब ने रविवार को पुष्टि की कि 26 वर्षीय ओल्मो को दाहिने पैर की पिंडली में मांसपेशियों में खिंचाव के कारण टीम से बाहर रखा गया है। बार्सिलोना ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा, डैनी ओल्मो के दाहिने पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है। उनकी वापसी चोट की प्रगति पर निर्भर करेगी। इस चोट के चलते ओल्मो अगले सप्ताहांत वालेंसिया के खिलाफ होने वाले ला लीगा मैच में भी उपलब्ध नहीं रहेंगे। ओल्मो ने शनिवार को गेटाफे के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ रहे मुकाबले में दूसरे हाफ में गैवी के स्थान पर मैदान में प्रवेश किया था। हालांकि, वह बार्सिलोना की मजबूत रक्षा को भेदने में नाकाम रहे और टीम को संतोषजनक प्रदर्शन नहीं मिल सका। चैंपियंस लीग में बार्सिलोना के लिए अहम मुकाबला बार्सिलोना की टीम अब लिस्बन के लिए रवाना हो चुकी है। चैंपियंस लीग के अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की करने के लिए इस मुकाबले में जीत जरूरी होगी। हार की स्थिति में टीम को 29 जनवरी को अपने अंतिम ग्रुप मैच में अटलांटा के खिलाफ घरेलू मैदान पर हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। ओल्मो की अनुपस्थिति टीम के लिए एक बड़ा झटका है, लेकिन बार्सिलोना बेनफिका के खिलाफ जीत के लिए अपने मजबूत खेल पर भरोसा करेगी।

इंडिया ओपन 2025

विक्टर एक्सेलसन, एन से-यंग ने पुरुष और महिला वर्ग का जीता खिताब

नई दिल्ली

एक सप्ताह तक चले लम्बे मैचों, अप्रत्याशित जीतों और स्थानीय स्तर पर निराशाजनक प्रदर्शन के बाद रविवार को इंडिया ओपन का फाइनल रोमांचक रहा, जिसमें चार शीर्ष मुकाबलों का फैसला सीधे गेमों में हुआ।

विक्टर एक्सेलसन और एन से-यंग ने रविवार को यहां क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीता।

एक्सेलसन ने पिछले साल के उपविजेता सिंगापुर के चेउक यिउ ली को 41 मिनट में 21-16, 21-8 से हराकर टूर्नामेंट में अपना तीसरा खिताब जीता। इस जीत के साथ ही उन्होंने 10 वर्षों में छह फाइनल में मलेशियाई दिग्गज ली चोंग वेई के यहां सबसे अधिक खिताब जीतने की बराबरी कर ली। वहीं, एन ने थाईलैंड की पोर्नपावी चोचुवोंग को 21-12, 21-9 से हराकर 2023 के बाद अपना दूसरा खिताब जीता।

इस जीत के साथ ही एक्सेलसन ने सीजन के पहले मलेशिया ओपन में ली से मिली अपनी पहले दौर की हार का बदला भी ले लिया और विश्व नंबर 20 के खिलाफ अपनी जीत का रिकॉर्ड 7-2 तक पहुंचा दिया।

पेरिस में जीत के बाद से दोनों ओलंपिक चैंपियनों का समय अलग-अलग रहा है, लेकिन खचाखच भरे केडी जाधव इंडोर हॉल में, उन्होंने सुपर 750 इवेंट में इसी तरह अपना दबदबा कायम किया।

जबकि एन ने महिला बैडमिंटन में अपना दबदबा बनाए रखा है। पेरिस के बाद से उनकी केवल दो हार चीन की ज़ी यी वांग के खिलाफ आई हैं। एक्सेलसन चोटों, प्रशिक्षण और प्रेरणा से जूझ रहे हैं, यहां तक ??कि पिछले दिसंबर में साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल से भी बाहर हो गए।

उन्हें यहां भी अपनी लय और फॉर्म पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन डेन ने अपने अभियान को समाप्त करने का सही तरीका ढूंढ लिया। धीमी शुरुआत और अनियमितता के कारण, 2017 और 2019 के चैंपियन 2-6 से पीछे थे, फिर 7-7 से बराबरी करने से पहले, छह अंक हासिल कर 13-8 से आगे हो गए और फिर 21-16 से जीत हासिल की।

पहला गेम जीतने के बाद, एक्सेलसन ने दूसरे गेम में अलग ही धमाल मचाया, गेम और खिताब जीतकर 66,500 की राशि और 11,000 रैंकिंग पॉइंट्स अपने नाम की।

एन, जो पोर्नपावी से पिछले नौ मुकाबलों में कभी नहीं हारी, ने सिर्फ़ 39 मिनट में अपना दबदबा 10-0 तक बढ़ाया, शुरुआत में 6-1 की बढ़त हासिल की और फिर 21-12 से जीत दर्ज की। दूसरा गेम भी अलग नहीं रहा, एन ने मैच को 21-12 पर समाप्त करने से पहले 7-1 की बढ़त बनाई, इस साल उन्होंने अपने 10 मैचों में से एक भी गेम नहीं गंवाया है।

इससे पहले दिन में, एक साथ अपना तीसरा इवेंट खेल रही गैरवरीयता प्राप्त जापानी जोड़ी अरिसा इगाराशी और अयाको सकुरामोटो ने दक्षिण कोरिया की किम हये-जियोंग और कोंग ही-योंग को 21-15, 21-13 से हराकर महिला युगल का खिताब जीता।

पुरुष वर्ग में, मलेशिया के गोह से फी और नूर इजुद्दीन ने निर्णायक मैच में दक्षिण कोरिया के किम वोन हो और सेओ सेउंग जे को 21-15, 13-21, 21-16 से हराकर खिताब जीता।

चीन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी जियांग जेन बैंग और वेई या शिन ने मिश्रित युगल में थॉम गिक्वेल और डेल्फिन डेलरू की फ्रांसीसी जोड़ी को 21-18, 21-17 से हराया।

चंडीगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के चुनाव मार्च 2025 में कराये जाएंगे

चंडीगढ़। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के चुनावों को मार्च 2025 कराये जाने का फैसला दिया है। हाई कोर्ट की बैंच ने आदेश दिया है कि कि एसोसिएशन के चुनाव मार्च 2025 में स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाएं। हाई कोर्ट के इस फैसले से संगठन में चार साल से जारी गुटबाजी और चुनावी विवादों पर अंकुश लगेगा। गौरतलब है कि चंडीगढ़ ओलंपिक एसोसिएशन के अंतिम बार चुनाव 2016 में हुए थे। इसके बाद कोविड-19 महामारी और संगठन के अंदर बढ़ते विवादों के कारण चुनाव नहीं हो पाये। वहीं साल 2021 में दो अलग-अलग गुटों ने चुनाव करवाए थे पर विवाद और वैधानिक मुद्दों के कारण दोनों चुनाव वैध नहीं माने गए। इसी विवाद को लेकर एसोसिएशन के अधिकतर सदस्यों ने हाई कोर्ट में अपील की थी। हाई कोर्ट ने निष्पक्ष चुनाव के लिए एडमिनिस्ट्रेटर की नियुक्ति का आदेश दिया है। यह एडमिनिस्ट्रेटर अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी से कम रैंक का नहीं होगा। वर्तमान पदाधिकारी एडमिनिस्ट्रेटर को सभी जरूरी दस्तावेज और रिकॉर्ड सौंपेंगे। वहीं चुनाव प्रक्रिया भारतीय ओलंपिक संघ और राष्ट्रीय खेल विकास कोड, 2011 के नियमों के तहत आयोजित होगी। चुनाव के बाद एडमिनिस्ट्रेटर नए चुने गए पदाधिकारियों को कार्यभार सौंपेंगे।

ऋषभ को अधिक जिम्मेदारी से खेलना होगा : रैना

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा कि आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत को अधिक जिम्मेदारी से खेलना चाहिये। रैना के अनुसार इससे ऋषभ टीम के लिए बेहतर भूमिका निभा सकते हैं। रैना के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ ही चैंपियंस ट्रॉफी में भी वह ऋषभ को बड़े स्कोर बनाते हुए देखना चाहते हैं। इसका कारण ये है कि अगसर ये बल्लेबाज 40 से 50 गेंदों का सामना भी कर लेता है तो 80 से 100 रन बना सकते हैं, ऐसे में टीम की जीत की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।

ऋषभ ने अब तक 31 मैचों में 33.5 की औसत से 871 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 2022 में मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 125 रन रहा है। रैना ने कहा, हाल के समय में उन्होंने अपनी विकेटकीपिंग में बहुत सुधार किया है पर उन्हें बल्लेबाजी में अधिक जिम्मेदारी के साथ खेलने की जरूरत है क्योंकि यह 50 ओवर का टूर्नामेंट है। यह ऋषभ पंत के लिए एक अच्छा अवसर होगा कि वह एकदिवसीय सीरीज से चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए लय हासिल कर लें। मेरा मानना है कि अगर अगर यशस्वी शीर्ष क्रम में नहीं खेलते हैं तो ऋषभ चौथे स्थान पर बल्लेबाजी

40 से 50 गेंदों में बदल सकते हैं मैच

कर सकते हैं। साथ ही कहा, वह हार्दिक से पहले भी बल्लेबाजी करने भी आ सकते हैं क्योंकि अगर ऋषभ 40-50 गेंदें खेलते हैं तो वह खेल को तकरीबन समाप्त कर सकते हैं। उसे इसके लिए अपने से कहना होगा कि अगर मैं पचास गेंद खेलता हूं तो मैं 80 से 100 रन बना सकता हूं पर उसके लिए कुछ समय मैदान पर बिताना रहेगा। अगर वह लापरवाही से गलती करता है तो ये निराशा जनक होगा। उसके पास प्रतिभा और क्षमता है जिसका उसे उपयोग करना चाहिये।

गौरतलब है कि भारतीय टीम ने अंतिम बार साल 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी, उसमें रैना भी रोहित शर्मा, विराट कोहली और रवींद्र जडेजा के साथ विजेता टीम में शामिल थे। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, रोहित शर्मा अब कप्तान हैं। मुझे याद है कि जब रोहित को 2011 विश्व कप के लिए नहीं चुना गया था, तो उन्हें बहुत दुख हुआ था और वे चैंपियंस ट्रॉफी जीतना चाहते थे। हाल ही में उन्होंने टी20 विश्व कप जीता है। अब वे आईसीसी खिताब जीत रहे हैं, जो उन्होंने पहले नहीं जीते थे। रोहित हालातों को संभालना जानते हैं।

अंडर-19 टी-20 विश्वकप : नाइजीरिया की महिला क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को 2 रनों से हराया

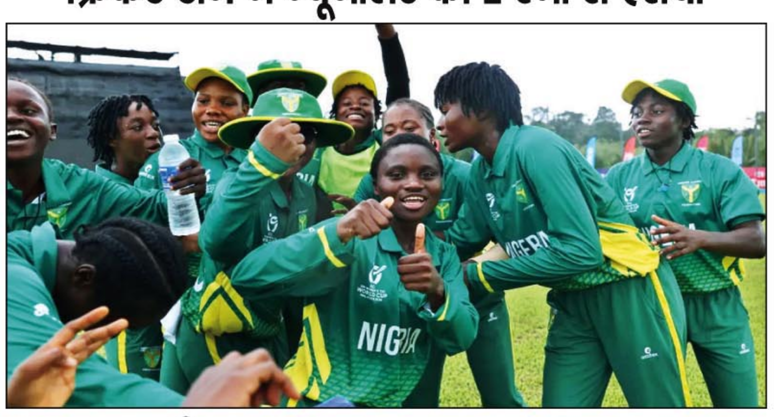

कुचिंग

नाइजीरिया की महिला क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को 2 रनों से हराकर महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप में अपनी पहली जीत हासिल की है। बारिश से प्रभावित इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइजीरिया की टीम ने कप्तान लक्की पिटी 19, लिलियन उडेह 18 रनों की सहायता से निर्धारित 30 ओवरों में छह विकेट पर 65 रन बनाए। इस मैच में नाइजीरिया के छह बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज केट इरविन पहले ही गेंद पर पेवेलियन लौट गयीं।

इसके बाद दूसरी सलामी बल्लेबाज एम्मा मैकलियोड तीसरे ओवर में तेज गेंदबाज यूसेन पीस का शिकार बनी। न्यूजीलैंड के विकेट एक के बाद एक गिरते गये। 11 ओवर में ही उसने 49 रन पर पांच विकेट खो दिये। न्यूजीलैंड की ओर से अनिका टोड 19, वेकलिन 18 और ईव वोलैंड ने 14 रन बनाए वहीं अन्य बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड को अंतिम दो ओवरो में 17 रन चाहिये थे। कीवी कप्तान टैश वेकलिन ने आठ रन बनाए।

आईकेकेएफ ने एशियाई खो-खो महासंघ को दी आधिकारिक मान्यता

सिंगापुर

अंतरराष्ट्रीय खो खो महासंघ (आईकेकेएफ) ने एशियाई खो खो महासंघ को आधिकारिक मान्यता दे दी है, जो पूरे एशिया में खो खो के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। 11 सदस्य देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला यह महासंघ एशियाई क्षेत्र में इस खेल के लिए प्रमुख शासी निकाय के रूप में काम करेगा, जिसका अगला कदम इस खेल को ओलंपिक में ले जाना है।

20 दिसंबर 2024 को हुए एक ऐतिहासिक चुनाव में एशियाई खो-खो महासंघ ने अपनी नेतृत्व टीम नियुक्त की। असलम खान अध्यक्ष होंगे और एम. सदाशिवम महासचिव की भूमिका निभाएंगे। क्षितिज अग्रवाल को सह-सचिव, एम.एस. त्यागी को कोषाध्यक्ष और सान्या सिंह अग्रवाल को कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है।

महासंघ एशिया में खो-खो को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध ग्यारह देशों के गठबंधन को एक साथ लाता है। सदस्य देशों में बांग्लादेश, भूटान, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, मलेशिया, नेपाल, पाकिस्तान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया और श्रीलंका शामिल हैं। यह विविध सदस्यता पूरे महाद्वीप में खेल के विकास के लिए एक मजबूत आधार का प्रतिनिधित्व करती है।

अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने इस विकास का स्वागत करते हुए एक आधिकारिक बयान में कहा, एशियाई खो-खो महासंघ का गठन इस प्राचीन खेल को वैश्वीकरण करने के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण कदम है

आईकेकेएफ पूरे क्षेत्र में खेल को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए एशियाई खो-खो महासंघ की पहल का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एशियाई खो-खो महासंघ के सह-सचिव क्षितिज अग्रवाल ने कहा, हमारा लक्ष्य सिर्फ टूर्नामेंट आयोजित करने से कहीं आगे तक फैला हुआ है। हम एशिया में खो-खो के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें खिलाड़ियों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। ग्यारह राष्ट्रीय महासंघों से मिल रहा समर्थन पूरे एशिया में खो-खो के लिए बढ़ती रुचि को दर्शाता है, और हम ठोस कार्य योजनाओं के साथ इन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए तैयार हैं। एशियाई खो-खो महासंघ जमीनी स्तर के कार्यक्रम विकसित करने, क्षेत्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने और एथलीटों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह मान्यता पूरे एशिया में खो-खो के विकास और विकास की नींव को मजबूत करती है।

वानखेड़े स्टेडियम ने मनाई स्वर्ण जयंती, सचिन तेंदुलकर ने अपने खास पलों को किया याद

मुंबई

मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम ने रविवार रात संगीत, नृत्य और लेजर शो के साथ अपनी स्वर्ण जयंती मनाई। इस खास मौके पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने स्टेडियम की समृद्ध विरासत को ट्रिब्यूट देते हुए अपने खास पलों को याद किया।

सचिन ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, मैं 10 साल की उम्र में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत का मैच देखने नॉर्थ स्टैंड में आया था। हम 25 लोग थे, लेकिन टिकट 24 ही थे। मेरी ऊंचाई कम होने की वजह से मुझे चुपके से अंदर जाने दिया गया। वानखेड़े पर 73 मैच खेल चुके तेंदुलकर ने 17 शतक और 23 अर्धशतकों के साथ कुल 4972 रन बनाए हैं।

तेंदुलकर ने 2011 विश्व कप जीत को अपने करियर का सबसे खास पल बताया। उन्होंने कहा, 1983 की जीत ने मुझे प्रेरित किया था। हमने 1996 और 2003 में मौका गंवाया, लेकिन वानखेड़े पर 2011 की जीत मेरे लिए सबसे यादगार रही।

50 साल की ऐतिहासिक विरासत

1975 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट के लिए बने इस स्टेडियम ने कई ऐतिहासिक पलों की गवाही दी है। कपिल देव की कप्तानी में 1983 विश्व कप जीत के बाद यहां टीम का सम्मान हुआ। 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप की जीत ने इस मैदान को खास पहचान दी।

एमसीए और शरद पवार का योगदान

वानखेड़े स्टेडियम के निर्माण में महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) और शरद पवार की अहम भूमिका रही। पवार ने 1960 के दशक में युवा खेल मंत्री रहते हुए इसके लिए जमीन आवंटित कराई थी। 2011 में इसका जीर्णोद्धार करके इसे नई पहचान दी गई।

मुंबई क्रिकेट का गढ़

मुंबई क्रिकेट की पावरहाउस मानी जाने वाली टीम ने वानखेड़े पर 42 में से 26 रणजी ट्रॉफी खिताब जीते। यहां अब तक 63 अंतरराष्ट्रीय मैच (27 टेस्ट, 28 वनडे, 8 टी20) खेले गए हैं। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट के अनगिनत मुकाबलों ने इस मैदान को और खास बना दिया है।

रविवार रात आयोजित समारोह में एमसीए ने शरद पवार सहित कई गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया। वानखेड़े स्टेडियम, जो भारत के क्रिकेट इतिहास का अभिन्न हिस्सा है, ने अपनी 50 साल की शानदार यात्रा को इस समारोह के जरिए खास बना दिया।

बच्चों के साथ जरूर बिताएं समय

आज के भागम भाग वाले दौर में यह संभव नहीं रह गया है कि आप अपने बच्चों को वांटिटी टाइम दें, लेकिन यह बहुत जरूरी है कि आप दोनों अपने बच्चों को वालिटी टाइम जरूर दें। भले ही आप अपने बच्चों को चौबीस घंटे में से केवल पंद्रह मिनट ही दें, लेकिन उन पंद्रह मिनट में आ उनके अपने बच्चे को समझे की कोशिश करें और उन्हें अच्छे विचार और संस्कार दें। इससे आपके द्वारा दिया गया थोड़ा समय भी सार्थक काम करेगा। यह तो आपको भी पता ही होगा कि बच्चों की अच्छी परवरिश में वालिटी टाइम कितना महत्व रखता है। आइए जानतें है कि बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। बजस तरह से बच्चों का उम्र बढ़ती जाती है, उनके लाइफस्टाइल और पसंद में भी बदलाव आने लगता है। यह जरूरी नहीं कि जो बच्चा पहले पसंद करता है अब भी वह वहीं चीजें खाएगा ऐसा असर टीनएजर की उम्र में होता है। बच्चे चाहे कितने भी बड़े यों न हो जाए मां-बाप के लिए वह हमेशा बच्चे ही रहते थे लेकिन परेशानी तब बढ़ जाती है जब बच्चों को किसी के सामने डांटा जाए। हो सकता है इससे आपके और बच्चे के बीच दूरियां भी बढ़नी शुरू हो सकती है। बच्चों के साथ प्यार बनाएं रखना चाहते हैं तो उनके साथ हर स्थिति में सूझ-बूझ के साथ पेश आना जरूरी है।

बनें दोस्त

बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों और माता-पिता के बीच अनुशासन के लिहाज से थोड़ी दूरी होनी भी जरूरी है, लेकिन यह दूरी इतनी भी न हो कि बच्चों और माता-पिता के बीच संवाद ही स्थापित न हो। अगर आप अपने बच्चों को सही दिशा देना चाहती हैं तो किसी बात को लेकर उन्हें समझाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उनसे संवाद स्थापित करना। बच्चों से आपका सही संवाद तभी होगा, जब उनके प्रति आपका रवैया मित्रवत होगा।

समझें मनोभावों को

निगरानी बच्चे के जरूरी है बहुत से माता-पिता की आदत होती है कि वे छोटी-छोटी बातों या गलतियों पर बच्चों को डांटने-फटकारने लगते हैं या उन्हें उपदेश देने लगते हैं। बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि बच्चों को डांटने और उपदेश देने की बजाय उनकी जरूरतों, भावनाओं और समस्याओं को समझने की कोशिश करें। हो सकता है कि आपके मन में यह याल आए कि बच्चों को या समस्या हो सकती है, लेकिन ऐसा नहीं है। आपकी नजर में जो बातें छोटी-छोटी हैं, हो सकता है कि बच्चों की नजर में वे काफी बड़ी नजर आती हों। अपनी समस्याओं का निदान जब बच्चे अपने माता-पिता से नहीं पाते हैं तो उनके भटकने की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

कारण जानने का प्रयास

बच्चों से अगर कोई भूल या गलती हुई है तो पहले उसका कारण जानने की कोशिश करें कि वह गलती उन्होंने जान-बूझकर की है या भूलवश हो गई है। अगर भूल से उनसे कोई गलती हुई है तो उसे अपने पास बिठाकर प्यार से समझाएं। हां, यदि उन्होंने जान-बूझकर गलती की है तो उन्हें हिदायत दे सकती हैं कि ऐसी गलती दोबारा नहीं होनी चाहिए। बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अपने बच्चों से संबंध इतने सहज होने चाहिए कि वे गलती करने पर भी अपनी बातें आपसे शेयर कर सकें। अगर आप बच्चों की हर बात से वाकिफ रहेंगी तो उसे समय पर सही राय दे सकती हैं। इससे वे अपने में सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगे।

जरूरी है निगरानी

बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि चाहे आप दोनों कामकाजी हों या दोनों लोग ही बहुत व्यस्त रहते हों तो भी यह बात बहुत महत्व रखती है कि बच्चों को अपनी निगरानी में रखें। यह कहना कि आप दोनों के पास समय नहीं है या हम असर घर से बाहर रहते हैं तो यह सोच सही नहीं है। चाहे आप घर में हों या बाहर, बच्चों के संपर्क में रहकर आप उनकी सभी बातों से वाकिफ हो सकते हैं। खुद चलें सही राह हर माता-पिता की इच्छा होती है कि उनके बच्चे सही राह पर ही चलें। बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अगर आप चाहते हैं कि आपके बच्चे सही राह पर चलें तो सबसे पहले अपने जीवन से आपको क्रोध को बाहर निकालना होगा। जब तक बहुत जरूरी न हो बच्चों के सामने क्रोध न करें। हमेशा अपने से बड़ों का समान करें, छोटों को स्नेह दें और अपने मित्रों से मर्यादा में रहकर बातचीत करें। याद रखिए बच्चे वैसी ही हरकतें और बातें करते हैं, जैसी वे अपने से बड़ों को घर में करते हुए देखते हैं। बच्चे के बदलते व्यवहार को न करें नजरअंदाजबच्चे के बदलते व्यवहार को न करें नजरअंदाज

अकेले में करें बात

किसी मेहमान के सामने बच्चा अगर कोई गलती कर देता है या फिर कोई ऐसी बात कह देता है जो आपको पसंद नहीं है तो डांटने की गलती न करें। इस समय दी गई आपकी प्रतिक्रिया उस पर गलत प्रभाव डाल सकती है। बच्चे के साथ अकेले में बात करें और समझाएं कि या सही है और या नहीं। प्यार से की गई आपकी बात को वह जरूर समझेगा।

एक दम से न करें रिएट

बच्चे के गलती करने पर कुछ मां-बाप मारपीट शुरू कर देते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि वह नहीं जानते कि या सही है और या गलत। धैर्य से काम लें समझने की कोशिश करें कि वह कहीं किसी बात से परेशान होकर तो ऐसा नहीं कर रहा।

निगरानी बच्चे के जरूरी है

बात को समझें बच्चे के व्यवहार में बदलाव आ रहा है तो इस बात की वजह को जानने की पूरी कोशिश करें। हो सकता है कि बच्चे को आपके साथ की जरूरत हो। समय के साथ समाज की सोच में भी तेज़ी से बदलाव आ रहा है। पुराने समय में किचन को पुरुषों के लिए नो एंट्री ज़ोन माना जाता था पर अब ऐसा नहीं है। आज की ममी अगर कार ड्राइव करके ऑफिस जाती हैं तो पापा भी किचन में बच्चों के लिए नाश्ता बना सकते हैं।

ऐसे सहज माहौल में पलने वाले बच्चों के मन में कार्यों को लेकर कोई जेंडर रोल निर्धारित नहीं होता। इसी वजह से आज की लड़कियां भी स्केटिंग फुटबॉल जैसे आउटडोर गेस में न केवल बड़े उत्साह से शामिल होती हैं बल्कि रेसलिंग, और जूडो-कराटे जैसे मैस्कुलिन समझे जाने वाले स्पोर्ट्स के क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। वहीं लड़के भी कुकिंग की फील्ड में कामयाबी की नई इबारत लिख रहे हैं। इसीलिए बच्चों के खेल से जुड़ी स्टीरियोटाइप सीमाएं भी अब टूटने लगी हैं और हमें इस बदलाव को सहजता से स्वीकारना चाहिए।

बनें रोल मॉडल

अपने माता-पिता बनें रोल मॉडलअपने माता-पिता को देखकर ही बच्चों के मन में आदर्श पुरुष या स्त्री की छवि तैयार होती है। इसलिए अगर पेरेंट्स के आपसी रिश्ते में मधुरता होगी और वे दोनों एक-दूसरे के प्रति केयरिंग होंगे तो इससे बच्चे के मन में अपने आप यह धारणा विकसित होगी कि बेटों/बेटियों दोनों ही अच्छे होते हैं। यह एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है कि जिन परिवारों में भाई-बहन दोनों होते हैं, वहां के बच्चों के लिए दूसरे जेंडर की भावना को समझना और उनके साथ सामंजस्य बिठाना आसान हो जाता है। लेकिन जहां केवल लड़के या लड़कियां हों, वहां माता-पिता की ज़िमेदारी बढ़ जाती है। ऐसे में उन्हें अपने टीनएजर बेटों/बेटियों को समझाना चाहिए कि अपोज़िट जेंडर के साथ अपने व्यवहार में वे शालीनता बरतें।

घर पर कैसे उगाएं तीखी हरी मिर्च

हरी मिर्च, इसका इस्तेमाल डेली रूटीन लाइफ में खाना बनाने के लिए किया जाता है। वैसे तो हरी मिर्च आपको बाजार से भी मिल जाएंगी लेकिन अगर आप चाहो तो इसे अपने घर में भी उगा सकते हैं। जी हां, बिल्कुल इसे उगाने की सबसे खास बात तो यह है कि आप इसे किसी भी गमले या फिर कंटेनर में उगा सकते हैं। इसके लिए आपको किसी बड़े से बगीचे की भी आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आज हम आपको कुछ टिप्स बताएंगे जिन्हें फॉलो करके आप घर में ही ताजी और तीखी हरी मिर्च उगा सकते हैं।

1. गमला : अगर आपके पास हरी मिर्च की खेती करने के लिए बगीचा नहीं है तो ऐसे में आप कोई भी कंटेनर या गमला लें लें और उस गमलें में मिट्टी की जगह आर्गेनिक कमपोस्ट का इस्तेमाल करें।

2. पानी : पौधे को नियमित रूप से पानी देते रहे। लेकिन इस बात का भी खास ध्यान रखें ज्यादा पानी देना भी पौधे को नुकसान पहुंचा सकता है।

3. सूरज की रोशनी : हरी मिर्च का पौधा लगाने के बाद इसे ऐसी जगह रखें जहां सूरज की रोशनी अच्छी आती हो ताकि पौधे का विकास अच्छे से हो सके।

4. बस, कुछ ही दिनों में आपके पौधे में हरी मिर्च उगती नजर आएगी।

जरूरी बात : हरी मिर्च उगाने के दौरान आपको बीमारी से छुटकारा पाने के लिए किसी तरह के फर्टिलाइजर की जरूरत नहीं पड़ेगी। क्योंकि हरी मिर्च के अंदर ऐसे रसायन मौजूद होते हैं जो बीमारियों को दूर रखने में मदद करते हैं।

बच्चे के बदलते व्यवहार को न करें नजरअंदाज

जिस तरह से बच्चों का उम्र बढ़ती जाती है, उनके लाइफस्टाइल और पसंद में भी बदलाव आने लगता है। यह जरूरी नहीं कि जो बच्चा पहले पसंद करता है अब भी वह वहीं चीजें खाएगा ऐसा अक्सर टीनएजर की उम्र में होता है।

बच्चे चाहे कितने भी बड़े क्यों न हो जाए मां-बाप के लिए वह हमेशा बच्चे ही रहते थे लेकिन परेशानी तब बढ़ जाती है जब बच्चों को किसी के सामने डांटा जाए। हो सकता है इससे आपके और बच्चे के बीच दूरियां भी बढ़नी शुरू हो सकती है। बच्चों के साथ प्यार बनाएं रखना चाहते हैं तो उनके साथ हर स्थिति में सूझ-बूझ के साथ पेश आना जरूरी है।

अकेले में करें बात

किसी मेहमान के सामने बच्चा अगर कोई गलती कर देता है या फिर कोई ऐसी बात कह देता है जो आपको पसंद नहीं है तो डांटने की गलती न करें। इस समय दी गई आपकी प्रतिक्रिया उस पर गलत प्रभाव डाल सकती है। बच्चे के साथ अकेले में बात करें और समझाएं कि क्या सही है और क्या नहीं। प्यार से की गई आपकी बात को वह जरूर समझेगा।

एक दम से न करें रिएक्ट

बच्चे के गलती करने पर कुछ मां-बाप मारपीट शुरू कर देते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि वह नहीं जानते कि क्या सही है और क्या गलत। धैर्य से काम लें समझने की कोशिश करें कि वह कहीं किसी बात से परेशान होकर तो ऐसा नहीं कर रहा।

बात को समझें

बच्चे के व्यवहार में बदलाव आ रहा है तो इस बात की वजह को जानने की पूरी कोशिश करें। हो सकता है कि बच्चे को आपके साथ की जरूरत हो।

पढ़ने में कमजोर है बच्चा तो उन्हें रोजाना खिलाएं ये फूड्स

सेहत के साथ तेज दिमाग भी काफी मायने रखता है। सभी पेरेंट्स का सपना होता है कि उनका बच्चा स्वस्थ और होशियार हो। कुछ बच्चों का दिमाग तेज होता है और कुछ दिमाग से काफी कमजोर होते है, जिस वजह से वह अक्सर पढ़ाई-लिखाई के मामले में पीछे रह जाते है। अगर आप भी अपने बच्चे के दिमाग को तेज रखना चाहते है तो उसकी डाइट पर अधिक ध्यान दें। उन्हें ऐसी चीजों का सेवन करवाएं, जो दिमाग के लिए काफी फायदेमंद साबित होती है। आज हम आपको कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताएंगे, जो बच्चों की याददाश्त बढ़ाने में काफी मददगार है।

1. सेब

सेब टेस्टी होने के साथ- साथ सेहत को भी ठीक रखता है। इसमें कई पोषक तत्व, विटामिन और खनिज होते हैं जो हमें बीमारियों से बचाते हैं। रोजना सुबह खाली पेट सेब खाने से मस्तिष्क की कोशिकाएं ठीक ढंग से कार्य करती हैं, जिससे सोचने-समझने की शक्ति तेज होती है।

2.सोयाबीन

सोयाबीन में फायटोस्ट्रोजन नामक हार्मोन और विटामिन क्क होता है। सोयाबीन से बने पकवान खाने से याददाश्त बढ़ती है और दिमागी कमजोरी दूर होती है। हफ्ते में 2-3 बार सोयाबीन का सेवन करना चाहिए।

3. बादाम

बादाम में तांबा, विटामिन बी, कैल्शियम, पोटैशियम, फॉस्फोरस, लोहा जैसे कई पोषक तत्व होते हैं जो कि बच्चों और बूढ़ों दोनों के लिए फायदेमंद है। रात को 5 बादाम पानी में भिगो दें। सुबह छिलका उतारकर पेस्ट बनाएं और फिर शहद वाले दूध में डालकर पी लें।

4.पालक

पालक शरीर में आयरन की कमी को पूरा करने के साथ याददाश्त बढ़ाने में भी मददगार होती है। इसमें मैग्नीशियम, पोटैशियम, विटामिन बी, ई और कई पोषक तत्व होते हैं जो दिमाग को तेज बनाते है और हमे कभी बीमार नहीं होने देते।

5.गाजर और पत्ता गोभी

गाजर और पत्ता गोभी को अपनी डाइट में जरूर शामिल करे।सलाद में गाजर और पत्ता गोभी का अधिक इस्तेमाल करें। सलाद में हरा धनिया, सेंधा नमक, काली मिर्च और नींबू रस मिलाएं और खाएं।

सर्दियों में नवजात को स्किन ड्राईनेस से बचाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

सर्दियों के मौसम में नवजात शिशु के गालों, लिप्स और नाक के आस-पास का हिस्सा ड्राई हो जाता है। शिशु की स्किन का ध्यान न रखने पर त्वचा ड्राई होकर फटने लग जाती है। इसलिए सर्दी के मौसम में बड़ों के साथ-साथ बच्चों की स्किन को भी खास केयर की जरूरत होती है।

आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह सर्दियों में आप नवजात की त्वचा को फटने से बचा सकती है। इन घरेलू तरीकों से आप शिशु की त्वचा को बिना किसी नुकसान के ड्राई होने से बचा सकते है।

1. कच्चा दूध

शिशु की स्किन को रूखेपन से बचाने के लिए कॉटन की मदद से कच्चे दूध को उनकी त्वचा पर लगाएं। इससे शिशु की स्किन कोमल होगी और कोई नुकसान भी नहीं होगा।

2. धूप में टहलाना

बच्चों को सारा दिन कमरे में रखने की बजाए भूप में जरूर टहलाएं। इसके अलावा धूप में शिशु की मालिश करने से उसके शरीर अंदर से गर्म रहता है और स्किन में रूखेपन की समस्या भी नहीं होती।

3. बादाम या नारियल का तेल

रात को सोने से पहले शिशु की स्किन पर बादाम, जैतून या नारियल का तेल लगा दें। इससे शिशु की स्किन कोमल और सॉफ्ट हो जाएगी। इसके अलावा इससे मालिश से मांशपेशियां मजबूत होती हैं।

4. अधिक कपड़े पहनाना

शिशु को जरूरत से ज्यादा कपड़े पहना देने के कारण भी उसकी स्किन में रूखापन आ जाता है। शिशु को ज्यादा और ऊन वाले कपड़े पहनाने से त्वचा संक्रमित हो सकती है। इसलिए उन्हें कॉटन के कपड़े ही पहनाएं।

5. घी

शिशु की स्किन ड्राई होने पर उसके गाल और नाक के आस-पास घी लगा दें। इससे 2 दिन में ही स्किन का रूखापन दूर हो जाएगी।

6. बेसन और दूध

हफ्ते में 1 बार शिशु को बेसन और दूध से नहलाने पर भी उसकी स्किन ड्राई नहीं होगी। इससे उसकी त्वचा खिली-खिली रहने के साथ-साथ सॉफ्ट भी होगी।

रेसिपी

होट पौकेट

सामग्री

2 कप आलू (उबले हुए), 2 प्याज (बारीक कटे हुए), 3 हरी मिर्च (बारीक कटी हुई), 1 चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 1/4 कप धनिया (बारीक कटा हुआ), 1/2 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच गरम मसाला, 2 कप मैदा, 2 चम्मच मक्खन, नमक स्वादानुसार, तेल आवश्यकतानुसार।

विधि

सबसे पहले एक कटोरे में मैदा, नमक और मक्खन डालें। उसके बाद इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी मिलाकर इसे नरम आटे की गूंथ लें। अब एक दूसरे कटोरे में आलू, नमक, प्याज, हरी मिर्च, अदरक लहसुन का पेस्ट, लाल मिर्च पाऊर, हल्दी, गरम मसाला और धनिया डाल कर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद गूंथे हुए आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें। फिर लोई को आयत आकार में बेल लें। अब एक चपाती में आलू मिश्रण थोड़ा रखें, फिर दूसरे चपाती को उसके ऊपर रखें और चपाती के किनारो को फॉक स्पून से दबा दें। इसके बाद कड़ाई में तेल गर्म करें। फिर उसमें तैयार किया हुआ पॉकेट को डालकर डीप फाई करें। आपके होट पौकेट तैयार है।

वेजिटेबल दलिया

सामग्री

तेल: 1 बड़ा चम्मच, जीरा: 1/2 छोटा चम्मच
अदरक: 1/2 बड़ा चम्मच, प्याज: 60 ग्राम
आलू: 130 ग्राम, गाजर: 75 ग्राम, मटर: 45 ग्राम, हल्दी: 1/2 छोटा चम्मच, धोई हुई मूंग दाल: 2 बड़े चम्मच धोया हुआ दलिया: 165 ग्राम,गर्म मसाला: 1/2 छोटा चम्मच, नमक: 1 छोटा चम्मच,लाल मिर्च: 1/4 छोटा चम्मच,पानी: 440 मिलीलीटर,
धनिया: गार्निशिंग के लिए

विधि

एक कड़ाही में 1 बड़ा चम्मच तेल डालकर मध्यम आंच पर गर्म करें। इसमें 1/2 छोटा चम्मच जीरा, 1/2 बड़ा चम्मच अदरक डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसके बाद इसमें 60 ग्राम प्याज डालकर भून लें। फिर इसमें 130 ग्राम आलू, 75 ग्राम गाजर, 45 ग्राम मटर डालकर 5-7 मिनट तक पकाएं। पकने के बाद इसमें 1/2 छाटो चम्मच हल्दी मिला दें। अब इसमें 2 बड़े चम्मच धोई हुई मूंग दाल और 165 ग्राम धोया हुआ दलिया डालकर मिलाएं। बाद में इसमें 1/2 छोटा चम्मच गर्म मसाला, 1 छोटा चम्मच नमक, 1/4 छोटा चम्मच लाल मिर्च डालकर 2 मिनट तक पकाएं। इस मिश्रण में 440 मिलीलीटर पानी डालें और इसे ढक्कन के साथ कवर करके 10 से 15 मिनट तक पकाएं या जब तक पानी अच्छे से सूख न जाए। आपका वेजिटेबल दलिया तैयार है। इसे धनिये के साथ गार्निश करके सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**